CNEWS सिटी चीफ

# सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-24
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, सोमवार, 29 अप्रैल 2024

**आज का विचार**

**दीपक इसलिए वंदनीय है क्योंकि वह दूसरों के लिए जलता है दूसरों से नहीं जलता..!**

## काम्प्लेक्स में लगी आग, कर्मचारियों को खिड़की से निकाला बाहर

**मंदसौर।** नयापुरा मार्ग महाराणा प्रताप बस स्टैंड के समीप स्थित विमल पामेचा काम्प्लेक्स में को आग लग गई। पावर यूनिट में अचानक लगी आग के बाद धुएं का गुबार काम्प्लेक्स की पांच मंजिल बिल्डिंग में फैल गया। काम्प्लेक्स की तीसरी मंजिल पर स्थित एफडीबी फाइनेंस सर्विस के कार्यालय में कर्मचारी काम कर रहे थे।आग लगते ही अफरा-तफरी मच गई। धुएं का गुबार बिल्डिंग में इस तरह फैल गया था कि सभी कर्मचारी वहीं फंस गए। धुएं को बाहर निकालने के लिए कार्यालय के बड़ा कांच भी तोड़ा गया। इस दौरान नागरिकों ने पुलिस के साथ मिलकर बिल्डिंग में फंसे कर्मचारियों को खिड़की के रास्ते से सीढ़ी की सहायता से निकाला। करीब 45 मिनट तक यहां अफरा-तफरी मची रही। गनीमत यह रही कि कोई जनहानि नहीं हुई है।रविवार दोपहर करीब 3.30 बजे आग लगने का हादसा हुआ। बिल्डिंग में पहली मंजिल पर पीछे स्थित पावर यूनिट में अचानक आग लग गई। शार्ट-

सर्किट से आग लगना बताया जा रहा है। आग लगते ही विद्युत केबल एवं एयरकंडीशन सहित अन्य उपकरण धूं-धूं कर जल उठे, जिससे काले धुएं का गुबार काम्प्लेक्स की पांच मंजिला बिल्डिंग में फैल गया। तेजी से फैले धुएं के कारण बिल्डिंग में एक फीट दूर भी कुछ नजर नहीं आ रहा था। एफडीबी फाइनेंस सर्विस कार्यालय में काम कर रहे करीब 20-25 कर्मचारी नीचे उतरने के लिये कार्यालय से बाहर निकले, लेकिन धुएं के कारण वे निकल नहीं पाए। घबराहट होने लगी तो कार्यालय का एक बड़ा कांच तोड़ा गया, जैसे ही कांच टूटा धुएं का गुबार बाहर की तरफ निकलता रहा। इसी दौरान पुलिस व प्रशासन की टीम भी पहुंच गई थी। मौजूद लोगों की मदद से कार्यालय में फंसे कर्मचारियों को बाहर निकाला गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड से पानी की बौछार कर आग पर काबू पाया गया। आग के विकराल रूप लेने का खतरा भी मंडरा रहा था। दोपहर 3.30 बजे लगी आग को शाम 4.15 बजे काबू कर लिया गया था। धुएं का गुबार दूर-दूर तक नजर आया। इस दौरान वहां लोगों की भीड़ लग गई। काम्प्लेक्स में कार्यालय में फंसे कर्मचारियों को सुरक्षित निकालने के लिए लोगों ने सहयोग किया। समीप ही स्थित बस स्टैंड से एक निजी बस यहां काम्प्लेक्स के सामने मार्ग पर खड़ी की गई और बस की छत पर चढ़े लोगों ने बिल्डिंग की खिड़की तक सीढ़ी लगाई और फिर खिड़की के रास्ते से एक-एक कर्मचारी को सुरक्षित निकाला गया। धुएं के गुबार के बीच से लोगों की मदद से खिड़की के रास्ते बाहर निकले कर्मचारियों ने बाहर निकलते ही राहत की सांस ली।आग की यह घटना किसी अन्य वर्किंग दिन में होती तो परेशानी बढ़ सकती थी। पांच मंजिला काम्प्लेक्स में एसबीआइ लाइफ, एफडीबी फाइनेंस सर्विस, आइडीएफसी फर्स्ट बैंक, चाइस के कार्यालय है। पहली मंजिल पर आइसीआइसीआई बैंक है। इन सभी ब्रांचों में 100 से अधिक कर्मचारी-अधिकारी कार्यरत है। रविवार को एफडीबी फाइनेंस सर्विस का कार्यालय ही खुला था। बाकी सभी ब्रांचें बंद थीं।

### बड़वानी में स्कूल में 12वीं में सभी बच्चे फेल

## एजुकेशन विभाग ने लिया एक्शन, हटाया पूरा स्टाफ

**बड़वानी।** बड़वानी जिले के पानसेमल ब्लॉक के मलफा में अजीब मामला सामने आया है। यहां कक्षा 12वीं में परीक्षा देने वाले सभी विद्यार्थी फेल हो गए हैं। इसके अलावा पिपरानी के हाई स्कूल में भी 10वीं कक्षा के सारे विद्यार्थी फेल हो गए हैं। इस मामले में अब बड़ा एक्शन लिया गया है। दरअसल, हाल ही में माध्यमिक शिक्षा मंडल (एमपी बोर्ड) के एग्जाम के रिजल्ट सामने आए हैं। इसमें पानसेमल ब्लॉक के मलफा स्थित शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल में क्लास 12वीं के सभी 85 विद्यार्थी फेल हो गए हैं। इसी तरह हाई स्कूल पिपरानी के क्लास 10वीं के 41 में से 41 बच्चे फेल हो गए। पानसेमल के ब्लॉक एजुकेशन ऑफिसर अरुण मिश्रा ने आज मलफा स्थित शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल का दौरा किया। उन्होंने बताया कि स्कूल में कक्षा 12 में आर्ट्स और साइंस के कुल 89 विद्यार्थी हैं। इनमें से 85 ने

परीक्षा दी थी लेकिन सभी फेल हो गए। 81 पूरी तरह से फेल हो गए हैं जबकि चार को सप्लीमेंट्री आई है। **बच्चों के परिजनों ने कार्रवाई की मांग की-** सभी स्टूडेंट के फेल होने के बाद प्रदर्शन करने के लिए बच्चों परिजन स्कूल पहुंचे। बच्चों के परिजनों का कहना है कि हम बच्चों का रिजल्ट जीरो आया है। यहां टीचर बोलते है हम रोज पढ़ाते हैं। वहीं, बच्चों ने बताया कि रोज शिक्षक कुछ ना कुछ बीमारी का बहाना बनाकर नहीं पढ़ाते हैं। परिजनों का कहना है कि शिक्षकों के साथ सब पर कार्रवाई होना चाहिए।

**प्रिंसिपल ने दी सफाई-** प्राचार्य आलोक सिसोदिया ने बताया कि हम रिजल्ट से आश्चर्यचकित हैं। हम कक्षा 12वीं के पुनः मूल्यांकन की मांग कर रहे हैं। उन्होंने बताया पिछले वर्ष यहां कक्षा 12वीं पास करने के बाद दो बच्चों का सिलेक्शन एमबीबीएस में हुआ था।

### पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के बेटे-पोते के खिलाफ यौन शोषण का केस

बेंगलुरु। देश के पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के बेटे एचडी रेवन्ना और पोते प्रज्वल रेवन्ना पर रविवार को सेक्शुअल हैरेसमेंट का केस दर्ज हुआ है। एचडी रेवन्ना कर्नाटक सरकार में पूर्व मंत्री रह चुके हैं, जबकि प्रज्वल रेवन्ना हासन लोकसभा सीट से सांसद हैं और जेडीएस उम्मीदवार भी हैं। ये केस उनकी महिला बावर्ची की शिकायत पर होलेनरसीपुर पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि वह एचडी रेवन्ना की पत्नी भवानी की रिश्तेदार है। जब उसने रेवन्ना परिवार में खाना बनाने का काम शुरू किया, तो उसके चार महीने बाद रेवन्ना ने उसका शारीरिक शोषण करना शुरू कर दिया था। वहीं, प्रज्वल उसकी बेटी को कॉल करके गंदी बातें करता था। महिला ने अपनी शिकायत में ये भी कहा है कि उसके और उसके परिवार की जिंदगी को खतरा है। इधर, प्रज्वल रेवन्ना शनिवार सुबह जर्मनी के लिए रवाना हो गए। प्रज्वल रेवन्ना का नाम एक सेक्स स्कैंडल में भी आया है। कर्नाटक में लोकसभा चुनाव से ठीक दो दिन पहले सोशल मीडिया पर अश्लील वीडियो वायरल हुए। शनिवार (27 अप्रैल) को राज्य के सीएम सिद्धारमैया ने मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल के गठन का आदेश दिया।

## कांग्रेस अभी से हार वाले भाषण की ड्राफ्टिंग कर रही- मोदी

**बेंगलुरु।** कर्नाटक के बेलगावी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के राजा-महाराजा वाले बयान पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, शहजादे का कहना है कि भारत के राजा, भारत के महाराजा अत्याचारी थे। वे गरीबों की जमीन झीन लेते थे। जब मर्जी तब उसे हड़प लेते थे। कांग्रेस के शहजादे ने छत्रपति जी महाराज और रानी चिनम्मा जैसे महान व्यक्तित्व का अपमान किया है। इनका सुशासन, इनकी देशभक्ति आज भी हम सबको प्रेरित करती है। क्या शहजादे को यह पता है? पीएम मोदी ने सवाल किया कि क्या शहजादे को मैसूर राजघराने का योगदान पता है? उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शहजादे का बयान सोच-समझकर वोट बैंक की राजनीति करने के लिए दिया गया।

मोदी ने कहा कि ये (कांग्रेस, विपक्ष) पहले जब भी हार जाते थे तो ईवीएम की टोपी पहना देते थे। चुनाव आते ही दिन-रात ईवीएम की माला जपते रहते थे। अब परसों

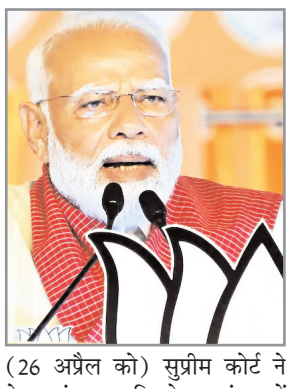

(26 अप्रैल को) सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा चांटा मारा कि वे असमंजस में हैं कि अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को सांत्वना देने के लिए क्या कहेंगे...। अब पूरी कांग्रेस इसकी ड्राफ्टिंग में लगी है कि चुनाव हार जाएं तो क्या बयान देना है।

**नवाबों, निजामों, सुल्तानों की बात पर लग जाता है मुंह पर ताला:** पीएम मोदी ने कहा, शहजादे ने तो राजा-महाराजा को बुरा-भला कह दिया। लेकिन भारत के इतिहास में जो अत्याचार नवाबों ने किए, निजामों ने किए, सुल्तानों ने किए... उनकी बात पर तो शहजादे के मुंह पर ताला लग जाता है। बता दें कि राहुल गांधी ने कहा था, राजाओं-महाराजाओं का राज रहा। जो भी वो चाहते, कर देते थे। किसी की जमीन चाहिए तो उसे हड़प लेते थे। वहीं कांग्रेस और हमारे कार्यकर्ताओं ने देश की जनता के साथ मिलकर आजादी प्राप्त की, लोकतंत्र लेकर आए और संविधान दिलवाया।

**कांग्रेस की तुष्टीकरण की मानसिकता:** पीएम मोदी ने गुस्से भरे लहजे में कहा कि राजा-महाराजाओं को गालियां दे रहे हो, उनको अपमानित करते हो। कांग्रेस की तुष्टीकरण की मानसिकता अब खुलकर देश के सामने आ रही है। उन्होंने कहा, हुबली में कॉलेज कैंपस में जो हुआ उसने देश में भूचाल ला दिया है, उस बेटी का परिवार एक्शन की मांग करता रहा लेकिन कांग्रेस की सरकार तुष्टीकरण के दबाव को ही प्राथमिकता देती है। उनके लिए नेहा जैसी बेटियों की जिंदगी की कीमत नहीं है, उन्हें अपने वोट बैंक की चिंता है। बेंगलुरु के कैफे में बम धमाका हुआ तो भी गंभीरता नहीं आई, उन्होंने यहां तक कह दिया कि गैस का सिलेंडर फटा होगा।

## मोदी अरबपतियों के लिए सरकार चलाते हैं- राहुल

**कटक।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को ओडिशा के कटक की चुनावी रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक पर निशाना साधा। उन्होंने रविवार को आरोप लगाया कि एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के अरबपतियों के लिए सरकार चलाते हैं तो दूसरी ओर ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक एक ऐसी सरकार का नेतृत्व करते हैं जो केवल राज्य के चुनिंदा लोगों के लिए काम करती है। राहुल गांधी ने कटक के सालेपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि भले ही बीजू जनता दल (बीजद) और भारतीय जनता पार्टी एक-दूसरे के खिलाफ चुनावी लड़ाई लड़ रहे हैं लेकिन वास्तव में वे एक साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, इसे साझेदारी कहें या विवाह, बीजद और भाजपा दोनों एक साथ हैं। राहुल गांधी ने पटनायक पर निशाना साधते हुए कहा कि भले ही पटनायक मुख्यमंत्री हैं, लेकिन राज्य में बीजद सरकार उनके सहयोगी वीके पांडियन चला रहे

हैं। राहुल गांधी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22-25 अरबपतियों की सरकार केंद्र में चलाई वैसे ही यहां नवीन पटनायक चुने हुए लोगों की सरकार चलाते हैं।

**तेलंगाना में भाजपा और बीआरएस ने शादी की थी:** राहुल ने कहा कि नवीन पटनायक चुने हुए लोगों की सरकार चलाते हैं। इसका पूरा का पूरा फायदा मुट्ठी भर लोगों का होता है। बाकी जनता देखती रह जाती है। तेलंगाना में भाजपा और बीआरएस शादी की थी। वहां पर हर रोज उनकी बारात निकलती थी। कांग्रेस पार्टी ने तेलंगाना में दिखाया कि भाजपा और बीआरएस एक हैं और अगर विपक्ष का कोई काम कर रहा है तो वो कांग्रेस पार्टी कर रही है। राहुल ने कहा कि आज समाज के विभिन्न वर्ग अपने अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं। राज्य और केंद्र में कांग्रेस की सरकार आने पर किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए योजनाएं लागू की जाएंगी।

**ओडिशा के लिए 5 गारंटी गिनाई:** राहुल गांधी ने ओडिशा के लिए पांच गारंटी गिनाई। उन्होंने कहा- ओडिशा में महिलाओं को हर महीने 2,000 रुपए, बेरोजगार युवाओं को हर महीने 3,000 रुपए, 200 यूनिट फ्री बिजली, 500 रुपए में गैस सिलेंडर और धान के लिए 3,000 रुपए/क्विंटल। ओडिशा में लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा चुनाव भी होने हैं। यहां लोकसभा की 21 सीटें हैं, जिन पर 13 मई, 20 मई, 25 मई, 1 जून को चौथे, पांचवें, छठे और सातवें फेज में चुनाव होगा। राज्य में विधानसभा की 147 सीटों के लिए भी 13 मई से 1 जून के बीच वोटिंग होगी।

### अमीर मंदिर : सोने की कीमत में रिकॉर्ड तेजी के बावजूद तिरुपति बालाजी के भक्त जमकर कर रहे दान

## सरकार को तिरुपति से मिला 11,329 किलो सोना, 18,817 करोड़ कैश...

**नई दिल्ली।** सोने की कीमत में रेकॉर्ड तेजी के बावजूद तिरुपति बालाजी के भक्तों ने पिछले साल जमकर दान दिया। दुनिया के सबसे अमीर हिंदू मंदिर को साल 2023 में 1,031 किलो सोने का चढ़ावा मिला जिसकी कीमत करीब 773 करोड़ रुपये है। तिरुपति ट्रस्ट के पास कुल 11,329 किलो सोना है जिसकी कीमत करीब 8,496 करोड़ रुपये है। ट्रस्ट ने इसे गोल्ड मॉनेटाइजेशन स्कीम के तहत विभिन्न बैंकों में जमा कर रखा है। तिरुपति के भक्त चढ़ावे के रूप में कैश और गोल्ड देना पसंद करते हैं। साथ ही मंदिर से जुड़े विभिन्न ट्रस्टों ने बैंकों में 13,287 करोड़ रुपये एफडी के रूप में जमा किए हैं जिस पर सालाना 1,600 करोड़ रुपये का ब्याज मिलता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल, 2024 तक तिरुपति ट्रस्ट के पास रेकॉर्ड 18,817 करोड़ रुपये का कैश बैलेंस है।

**1,161 करोड़ रुपए की एफडी** – तिरुपति बालाजी मंदिर का प्रबंधन करने वाले ट्रस्ट तिरुमला तिरुपति देवस्थानम ने इस साल 1,161 करोड़ रुपए की एफडी कराई है जो पिछले 12 साल में सबसे ज्यादा है। आंकड़ों के मुताबिक पिछले 12 साल में केवल तीन बार ही ट्रस्ट के द्वारा कराई गई एफडी की रकम 500 करोड़ रुपये से कम रही। साल 2021 और 2022 में कोरोना महामारी के कारण मंदिर की कमाई प्रभावित हुई थी। ट्रस्ट ने 2024-25 के लिए 5,141.74 करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया है। यह पहला मौका है जब ट्रस्ट का बजट 5,000 करोड़ रुपये के पार पहुंचा है। तिरुपति बालाजी मंदिर आंध्र प्रदेश में स्थित है।

### कैसे होती है मंदिर की कमाई

ट्रस्ट को प्रसादम की बिक्री से 600 करोड़ रुपये की कमाई होने का अनुमान है। इसी तरह दर्शन टिकट से 338 करोड़ रुपये, कर्मचारियों को दिए गए लोन और एडवांसेज से 246.39 करोड़ रुपये की उम्मीद है। ट्रस्ट को 129 करोड़ रुपये अन्य पूंजी प्राप्तियों से, 150 करोड़ रुपये अर्जित सेवा टिकट से, 151.5 करोड़ रुपये कल्याणकत्ता रिसीट से और 147 करोड़ रुपये कल्याण मंडपम रिसीट से मिलने का अनुमान है। साथ ही ट्रस्ट रिसीट से 85 करोड़ रुपये, रेंट, इलेक्ट्रिक और अन्य रिसीट के रूप में 60 करोड़ रुपये मिलेंगे। इसी तरह टोल फी कलेक्शन के रूप में 74.5 करोड़ रुपये और 35.25 करोड़ रुपये पब्लिकेशन रिसीट के रूप में मिलने का अनुमान है। इसी तरह चढ़ावे के रूप में 1,611 करोड़ रुपये मिलने की संभावना है।

### कैसे खर्च करता है ट्रस्ट

बजट के मुताबिक ट्रस्ट 1,733 करोड़ रुपये एचआर पेमेंट्स के रूप में खर्च करेगा जो पूरे साल के हुंडी कलेक्शन से 122 करोड़ रुपये ज्यादा है। इसी तरह ट्रस्ट 751 करोड़ रुपये मटीरियल्स की खरीद पर और 750 करोड़ रुपये कॉर्पस और दूसरे इन्वेस्टमेंट पर खर्च करेगा। 350 करोड़ रुपये इंजीनियरिंग वर्क्स और 53 करोड़ रुपये श्रीनिवास सेतु के काम के लिए रखे गए हैं। 60 करोड़ रुपये एसवीआईएमएस हॉस्पिटल में इंजीनियरिंग के काम पर खर्च होंगे जबकि अस्पताल को 80 करोड़ रुपये का अनुदान दिया जाएगा। 190 करोड़ रुपये इंजीनियरिंग मेंटनेंस के काम पर खर्च होंगे और 80 करोड़ रुपये फैसिलिटी मैनेजमेंट सर्विसेज में यूज होंगे।

### सरकार को कंट्रीब्यूशन

बजट के अनुसार टीटीडी 113.5 करोड़ रुपये विभिन्न संस्थानों को अनुदान के रूप में देगा। 108.5 करोड़ रुपये हिंदू धर्म प्रचार परिषद को मिलेंगे। लोन और एंडवास पर 166.63 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। 100 करोड़ रुपये पेंशन और ईएचएस फंड कंट्रीब्यूशन के लिए दिए जाएंगे जबकि 62 करोड़ रुपये इलेक्ट्रिकल चार्जेज के लिए होंगे। पब्लिकेशंस और एडवरटाइजमेंट में 10 करोड़ रुपये खर्च होंगे। टीटीडी 50 करोड़ रुपये राज्य सरकार को कंट्रीब्यूशन के रूप में देगा।

## सिंगल कॉलम

### पीथमपुर में होटल के बंद कमरे में मिला युवती का शव, युवक हिरासत में

**पीथमपुर।** *थान सेक्टर एक के अन्तर्ग टाटा केमिकल चौराहे पर स्थित होटल वाटिका के कमरे में एक युवती की लाश पंखे से लटकी हुई मिली। पुलिस ने होटल का दरवाजा तोड़कर 24 वर्षीय युवती का शव नीचे उतारा। मामला प्रेम प्रसंग का बताया जा रहा है। प्रेमी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।एसपी अमित कुमार मिश्रा ने बताया कि 24 वर्षीय युवती की फांसी लगाने की सूचना मिलने पर थाना प्रभारी संतोष कुमार दूधी होटल वाटिका पहुंच थे। वाटिका होटल के रूम नंबर 103 के दरवाजे को पुलिस ने तोड़ा तो बंद कमरे में 24 वर्षीय युवती का शव दुपट्टे के सहारे पंखे पर टंगा मिला। युवती जुनैद नाम के युवक के साथ होटल में रुकी थी। पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की।युवक व युवती महूगांव जिला इंदौर के निवासी थे। युवती हिंदू समुदाय से है। दोनों एक दूसरे को पांच से ज्यादा वर्षों से जानते थे। साथ-साथ महू कॉलेज में पढ़ाई के दौरान दोनों में प्रेम हो गया व अक्सर होटल में समय बिताने लगे। युवती ने जुनैद पर शादी का दबाव भी बनाया था जिसे जुनैद किसी न किसी बहाने से टाल देता था। जिससे दुखी होकर रविवार को युवती ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह भी बताया की दोनों के प्रेम प्रसंग की जानकारी उनके परिजनों को थी। जुनैद पर आत्महत्या के लिए प्रेरित करने और दुष्कर्म की धाराओं में केस दर्ज किया गया हे।*

### लोकसभा चुनाव की ट्रेनिंग में अनुपस्थित रहे 208 कर्मचारियों को नोटिस

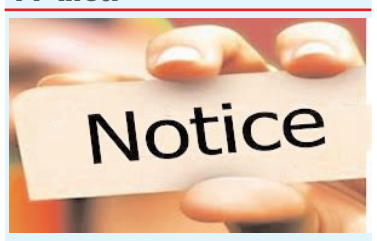


**इंदौर।** *लोकसभा चुनाव के लिए 13 मई को होने वाले मतदान के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों की ट्रेनिंग चल रही है। इसमें अनुपस्थित रहने पर 208 कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। दरअसल मतदान दल के लिए पीठासीन अधिकारी और मतदान अधिकारी-1 के लिए 15 अप्रैल से 19 अप्रैल तक ट्रेनिंग आयोजित की गई थी। इनमें 152 अधिकारी-कर्मचारी बिना कारण बताए नहीं पहुंचे। इसी तरह मतदान अधिकारी-2 और मतदान अधिकारी-3 का 22 से 23 अप्रैल तक ट्रेनिंग आयोजित की गई थी। इनमें भी 56 कर्मचारी नहीं पहुंचे। इन लोगों ने अपने नहीं आने की सूचना भी नहीं दी। एडीएम सपना लोवंशी ने इन सभी को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।*

### बारूद तौलते समय बाट गिरने से लगी थी महू की पटाखा फैक्ट्री में आग

**इंदौर।** *महू के आम्बाचंदन गांव की पटाखा फैक्ट्री में आग लगने की घटना की मजिस्ट्रियल जांच पूरी हो गई है। जांच में पता चला कि फैक्ट्री में बारुद तौलने के लिए बाट उपयोग में लाया जाता था। उसके जमीन पर गिरने से उठी चिंगारी से बारुद में आग लगी थी और फैक्ट्री में विस्फोट हो गया था। इस घटना में तीन लोगों की मौत हो चुकी है। जांच में फैक्ट्री की अन्य खामियों का भी उल्लेख किया गया। इस रिपोर्ट के आधार पर जिम्मेदारों के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। इंदौर के समीप महू के आम्बाचंदन गांव में 16 अप्रैल को पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हो गया था। जिसमें तीन कर्मचारी झुलस गए थे। उपचार के दौरान उनकी एमवाय अस्पताल में मौत हो गई। जांच में बताया गया कि कर्मचारी रोहित परमानंद, अर्जुन राठौर और उमेश चौहान एक कमरे में काम कर रहे थे। वे सुतली बम बना रहे थे। कमरे में कच्चे माल के रुप में सुतली,सल्फर, एल्युमिनियम पाउडर और अन्य सामग्री रखी थी। तब तराजू पर रखा बाट जमीन पर गिर पड़ा। इससे चिंगारी उठी और बारुद ने आग पकड़ ली। जांच अधिकारी ने फैक्ट्री मालिक, मजदूर सहित 9 लोगों के बयान लिए थे। अधिकांश ने घटना की वजह यहीं बताई। भंडार कक्ष में ही पटाखों का निर्माण बाट के गिरने से चिंगारी उठी। कुछ ही पल बाद विस्फोट हुआ और तीनों कर्मचारी उसकी चपेट में आ गए। जांच में पाया गया कि फैक्ट्री में लोहे का कम इस्तेमाल होना चाहिए, लेकिन फैक्ट्री में लोहे के दरवाजे लगे थे। इसके अलावा जहां विस्फोटक सामग्री का भंडारण किया गया था। वही पर पटाखों को सुतली से बांधने का काम भी चल रहा था। घटना के समय फैक्ट्री में 15 किलो विस्फोटक सामग्री रखी हुई थी। फैक्ट्री मालिक का कहना है कि जितनी भंडारण की अनुमति दी जाती है, उतना ही माल फैक्ट्री में था। इंदौर के राऊ क्षेत्र में छह साल पहले आग लग गई थी। तब 9 लोगों की मौत उसमें हो गई थी।*

# इंदौर में समलैंगिकों की पार्टी में छापा, गे डेटिंग एप के माध्यम से फ्लैट में इक्ट्ठा होते थे रईस परिवार के युवक

**सिटी चीफ इंदौर।**

लसूड़िया पुलिस ने शनिवार रात समलैंगिकों की पार्टी में छापा मारा। सभ्रांत परिवार के युवक गे डेटिंग एप के माध्यम से एकत्र हुए थे। एक समलैंगिक युवक से मिथाईलीनडाईआक्सी मैथेमफेटामाइन (एमडीएमए) ड्रग्स मिली है। उसके तार दिल्ली के नाइजीरियन तस्कर से जुड़े है और हाईप्रोफाइल पार्टियों में ड्रग्स सप्लाई करता है।

विजयनगर एसीपी कृष्ण लालचंदानी के मुताबिक पुलिस शनिवार रात काम्बिंग गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि महालक्ष्मीनगर स्थित एक फ्लैट में

युवा नशीले पदार्थों के साथ एकत्र हुए है। छापे के दौरान पुलिस फ्लैट में पांच युवक और एक युवती मिली। इसमें दो समलैंगिक जोड़े और एक तस्कर था जिसे पार्टी के लिए बुलाया था। पुलिस आरोपित सौरभ साहू को पांच ग्राम एमडी के साथ गिरफ्तार किया। उस मूलतः सीहोर निवासी सौरभ के पिता लक्ष्मीनारायण का माता चौक पर मेडिकल स्टोर है। उसने पूछताछ में दिल्ली में रहने वाले नाइजीरियन तस्कर का नाम कबूला है। सौरभ इसके पूर्व भी 20 बार एमडीएम खरीद कर हाईप्रोफाइल पार्टियों में सप्लाई कर चुका है। टीआइ तारेश सोनी के मुताबिक युवती से पूछताछ कर छोड़ दिया। जबकि चार समलैंगिकों के विरुद्ध धारा 151 के तहत कार्रवाई की है।

काम्बिंग गश्त-रातभर में 990 बदमाशों की चैकिंग शनिवार रात चारों जोन की पुलिस ने नगरीय सीमा में काम्बिंग गश्त की।रातभर में पुलिस ने आपराधिक गतिविधियों में लिप्त 990 लोगों की चैकिंग की।पुलिस का दावा है कि 530 पर वैधानिक कार्रवाई भी की गई है।अतिरिक्त पुलिस आयुक्त(कानून)अमितसिंह के मुताबिक सभी थाना प्रभारी और एसीपी लूट,चोरी,मारपीट जैसे गंभीर मामलों में लिप्त आरोपितों की सूची के साथ अपने-अपने क्षेत्रों में रवाना हुए।पुलिस ने 990 के चैकिंग की और पूछताछ की।386 से ज्यादा वारंट तामिल करवाए गए।अवैध हथियार और अवैश शराब के प्रकरण भी बनाए गए है।

## इंदौर नगर निगम में 125 करोड़ रुपये के घोटाले में दो आरोपित गिरफ्तार

**सिटी चीफ इंदौर।**

नगर निगम में हुए 125 करोड़ के घोटाले में एमजी रोड पुलिस ने रविवार शाम आरोपित मोहम्मद जाकिर और मोहम्मद साजिद की आइटी पार्क खंडवा रोड से गिरफ्तारी दर्शाई है, जबकि दोनों आरोपित पूर्व नियोजित तरीके से पेश हुए।

टीआइ के मुताबिक आरोपित अजमेर भागे थे। वहां से खंडवा गए। रात को जोन-3 के डीसीपी पंकज पांडे ने पूछताछ की। आरोपित जाकिर 12वीं पास है। उसका भाई साजिद इंजीनियर है। दोनों राहुल वढ़ेरा के दोस्त हैं। पूछताछ में फर्जी बिल बनाना कबूला, लेकिन कहा कि सब राहुल करता था। साजिद तो सिर्फ दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करता था। जाकिर दस्तावेज पेश करता था। कई अधिकारी और कर्मचारी राहुल के साथ उठते-बैठते थे। राहुल की पार्षदों से गहरी दोस्ती है।इससे पहले कल दो थानों की पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए फरार ठेकेदारों के आफिस और घरों में छापे मारे थे। पुलिस ने ताले तोड़कर फाइलें, रजिस्ट्री, पासपोर्ट, बैंक पासबुक और लग्जरी कारें जब्त की थी।

## कम हुआ यशवंत सागर का जलस्तर फिर भी जून तक साथ देगा तालाब

**सिटी चीफ इंदौर।**

गर्मी के मौसम में शहर के तालाबों का जलस्तर भी कम हो गया है। इंदौर के बड़े हिस्से की प्यास बुझाने वाले यशवंत सागर तालाब का जलस्तर 15 फीट है। जो जून माह तक के लिए पर्याप्त है। इससे होने वाली सप्लाई प्रभावित नहीं होगी। इस तालाब की क्षमता 19 फीट है। पिछले साल बारिश में यह तालाब लबालब भर गया था।

यशवंत सागर तालाब से एरोड्रम और बाणगंगा क्षेत्र की पांच टंकियां भरी जाती हैं। प्रतिनिधि 30 एमएलडी पानी की सप्लाई होती है। यशवंत सागर के अलावा बिलावाली तालाब से भी जलापूर्ति होती है। अप्रैल माह की शुरुआत में शहर के बोरिंगों का जलस्तर कम हो गया है और पानी की डिमांड भी बढ़ गई है। इसे देखते हुए नगर निगम ने 300 टैंकरों से शहर के 89 वार्डों में जल वितरण शुरू किया है। इनमें नगर निगम के 80 टैंकर है, बाकि किराए पर लेकर लगाए गए

है। यशवंत सागर तालाब से पल्हर नगर, बीएसएफ, महाराणा प्रताप नगर, कालानी नगर और बाणगंगा टंकी को भरा जा रहा है। इसके अलावा कुछ इलाकों में सीधी सप्लाई भी हो रही है। अफसरों ने कहा कि तालाब में पर्याप्त पानी है। इंदौर में मानसून जून में आ जाता है। तब तक तालाब से जलापूर्ति हो सकेगी। इस तालाब का पानी सुपर कॉरिडोर क्षेत्र में भी पहुंचाया जा रहा है। आईटी कंपनी टीसीएस और इंफोसिस कैम्पस को भी तालाब से पानी दिया जा रहा है।

नर्मदा से आता है 500 एलएलडी से ज्यादा पानी

इंदौर शहर में नर्मदा के तीनों चरणों से 450 एमएलडी से ज्यादा पानी आता है। इसके अलावा यशवंत सागर और बिलावली तालाब से 35 एमएलडी पानी आता है। शहर के सार्वजनिक बोरिंगों से 15 एमएलडी पानी मिल जाता है। इस माह नर्मदा लाइन फूटने और पंप बंद होने के कारण पांच बार जलूद से जलापूर्ति प्रभावित हुई।

**नगर निगम में फर्जीवाड़ा: पुख्ता सबूत मिलने के बाद पुलिस ने तीन नई एफआईआर दर्ज की**

## इंदौर में 125 करोड़ के फर्जी बिल घोटाले में पड़े छापे

**सिटी चीफ इंदौर।**

मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर के नगर निगम में सवा सौ करोड़ के फर्जी बिल घोटाले मामले में इंदौर पुलिस ने आरोपियों की धर-पकड़ शुरू कर दी है। रविवार को पुलिस ने सबसे पहले निपानिया में बने निगम ठेकेदार राहुल बढेरा के घर दबिश दी। इसके बाद मदीना नगर में रह रहे मोहम्मद सिद्दीकी के घर पहुंची। आरोपियों के खिलाफ पुख्ता सबूत मिलने के बाद शुक्रवार को पुलिस ने तीन नई एफआईआर दर्ज की थी ताकि आरोपियों की गिरफ्तारी की जा सके। दरअसल, इंदौर नगर निगम में हुआ फर्जी बिल का यह घोटाला सवा सौ करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। 5 कंपनियों जिसमें नींव कंस्ट्रक्शन, ग्रीन कंस्ट्रक्शन, किंग कंस्ट्रक्शन, क्षितिज इंटरप्राइजेज और जाह्नवी इंटरप्राइजेज ने 7 सालों में करीब सवा सौ करोड़ रुपए के 188 से अधिक बिल वित्त विभाग में प्रस्तुत किए जिसमें 168 बिलों के करीब 79 करोड़ रुपए का भुगतान हो चुका है। सवा सौ करोड़ के फर्जी बिल घोटाले में पुलिस अब नगर निगम के कर्मचारियों-अधिकारियों पर शिकंजा कस रही है। लेखा, ड्रेनेज और आडिट विभाग वालों से पूछताछ चल रही है। इंजीनियर स्तर के अधिकारी भी संदेह के दायरे में है। सूत्रों के मुताबिक ड्रेनेज विभाग में बैठे इन इंजीनियरों के हस्ताक्षरों से ही फाइलें आगे बढ़ी हैं। एक्जीक्यूटिव इंजीनियर सुनील गुप्ता ने शुरुआत में 28 करोड़ 76 लाख रुपये के ड्रेनेज घोटाले की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। गुप्ता ने पुलिस को फोटो कॉपी मुहैया करवाई और कहा था कि असल फाइलें कार से चोरी हो गई हैं। जिसके बाद बैंक स्टेटमेंट के आधार पर एमजी रोड पुलिस ने तीन बार में 16 फाइलें जब्त की जिनमें लगभग 21 करोड़ रुपयों का घोटाला हुआ था। ये सभी फाइलें वर्ष 2016 से 2018 के बीच की है और उन अधिकारी-बाबुओं के हस्ताक्षर हैं जो 28.76 लाख के घोटाले में शामिल थे। इसमें इंजीनियरों के सील और साइन भी है।

**तीन ठेकेदारों की जमानत खारिज**

शुक्रवार को तीन ठेकेदार मोहम्मद सिद्दीकी ग्रीन कंस्ट्रक्शन, मोहम्मद जाकिर किंग कंस्ट्रक्शन और मोहम्मद साजिद नींव कंस्ट्रक्शन की हाई कोर्ट ने अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। आरोपियों के वकील ने कहा कि फाइलें ठेकेदारों द्वारा पेश नहीं की गई, न उन्होंने दस्तावेज बनाए। जबकि पुलिस द्वारा पेश रिपोर्ट में बताया कि ठेकेदारों ने करोड़ों रुपये खातों में लिया है। पुलिस को शक है एफआईआर दर्ज होने के बाद आरोपी विदेश भाग गए हैं।

**शुक्रवार देर रात एफआईआर दर्ज**

एमजी रोड पुलिस ने फर्जी बिल बनाकर नगर निगम में पेश करने के मामले में शुक्रवार देर रात एक और एफआईआर दर्ज कर ली। पुलिस ने इसमें तीन आरोपी बनाए हैं। एमजी रोड पुलिस के मुताबिक मोहम्मद साजिद, निवासी खजराना नगर, मोहम्मद सिद्दीकी, निवासी मदीना नगर और राहुल वडेरा निवासी आशीष नगर को आरोपी बनाया है। तीनों पर शुक्रवार देर रात धारा 420 सहित धोखाधड़ी की अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है।

**निगम की समिति भी कर रही जांच**

पुलिस के साथ ही निगम की आंतरिक समिति भी जांच कर रही है। बीते 10 सालों में इन फर्मों को कितना भुगतान हुआ है। उन सभी कामों का भौतिक सत्यापन भी करवाया जा रहा है। 188 में से 10 फाइलें जनकार्य, उद्यान सहित अन्य विभागों की बताई जा रही हैं। हैरानी यह है कि इन फर्मों को सारा भुगतान हो चुका है जबकि कई ऐसे भी ठेकेदार हैं जो पिछले भुगतान के लिए निगम के चक्कर लगा रहे हैं। वर्ष 2022 के पहले इन पांचों फर्मों ने अपना सारा भुगतान निगम से ले लिया।

### करोड़ों के बैंक घोटाले में जूम डेवलपर्स के कर्ता-धर्ता की पत्नी को इंदौर हाई कोर्ट से नहीं मिली राहत

**सिटी चीफ इंदौर।**

करोड़ों रुपये के बैंक घोटाले में फंसी मुंबई की जूम डेवलपर्स कंपनी के कर्ता-धर्ता विजय चौधरी की पत्नी मंजरी चौधरी को मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ से राहत नहीं मिल सकी। मनी लांड्रिंग मामले में ईडी ने उसे भी आरोपित बनाया है। मंजरी ने इसके खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। इसे न्यायमूर्ति सुबोध अभ्यंकर की एकल पीठ ने खारिज कर दिया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जूम डेवलपर्स के निदेशक विजय चौधरी को दो वर्ष पहले मुंबई से गिरफ्तार किया था। उस पर लगभग 2650 करोड़ रुपये के बैंक लोन फर्जीवाड़ा का आरोप है। ईडी ने प्रिवेंशन आफ मनी लांड्रिंग एक्ट में उसे पकड़ा है। ईडी ने चौधरी की पत्नी मंजरी को भी बाद में आरोपित बना दिया। 19 दिसंबर 2022 को उसके खिलाफ मनी लांड्रिंग केस में पूरक चालान प्रस्तुत किया गया था। मंजरी ने इसके खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें उसकी ओर से कहा गया था कि उसके खिलाफ की गई कार्रवाई गलत है और इसे निरस्त किया जाए। ईडी की ओर से अतिरिक्त सालिसिटर जनरल हिमांशु जोशी ने तर्क रखे। ईडी की ओर से कहा गया कि मंजरी के खिलाफ भी पर्याप्त सबूत उपलब्ध हैं। इसी आधार पर उसे सह आरोपित बनाया गया है।

**सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा: बागेश्वरधाम सरकार बोले- रणजीत बाबा के सामने शीश झुकाने से सारे संकट दूर होंगे**

## पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री बोले- इंदौर साधारण जगह नहीं, यह अद्भुत भूमि

**सिटी चीफ इंदौर।**

बागेश्वरधाम सरकार पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने रविवार को आईटीआई रोड स्थित मां कनकेश्वरी देवी परिसर में कथा शुरू की। उन्होंने कहा कि इंदौर कोई साधारण जगह नहीं है, यह अद्भुत भूमि है। एक तरफ महाकाल तो दूसरी तरफ ओंकारेश्वर विराजमान हैं। इंदौर में रणजीत हनुमान मंदिर, खजराना गणेश और अन्नपूर्णा मंदिर प्रसिद्ध है। हमें गौरव है कि हम इंदौर आए हैं, कोई भी व्यक्ति परेशानी, संकट में हो वो रणजीत बाबा के सामने शीश झुका दे, वो सारे रण को जीत लेते हैं। इसके पूर्व बागेश्वरधाम सरकार पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के सान्निध्य में मुख्य यजमान अक्षत रामचंद्र चौधरी ने व्यासपीठ पर वेद मंत्रों के बीच पूजन करके श्रीमद् भागवत को विराजित किया। व्यासपीठ का पूजन विधायक रमेश मेंदोला, सूरज रजक, नवीन गोधा, दीपक गुप्ता, नितेंद्र चौबे ,नितिन रोचलानी ने किया।

भगवान जिनको चुनते हैं वे कथा में आते हैं

पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण सौभाग्य से मिलता है। भगवान की लीलाओं का दिव्य दर्शन कथा के माध्यम से होता है। भवसागर से पार जाने के लिए श्रीमद् भागवत का श्रवण जीवन का अमूल्य क्षण है। जनता जिनको चुनती है वह चुनाव जीतते हैं और लोकसभा-विधानसभा में पहुंचते हैं, लेकिन भगवान जिनको चुनते हैं और श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण करने चले आते हैं।

जहां भक्त की हां वहां भगवान हैं

शास्त्रीजी ने कहा कि जहां भक्त की हां वहां भगवान हैं। भगवान को खोजने की आवश्यकता नहीं होती है, भगवान सर्वत्र हैं। मन की शुद्धि बहुत जरूरी है। भागवत प्रदर्शन नहीं दर्शन है, भागवत भगवान का ग्रंथ है, भागवत से ही भक्ति है। हर व्यक्ति को मस्तक पर तिलक जरूर लगाना चाहिए। जहां कथा होती है वो वृंदावनधाम बन जाता है। कथा ही सर्वोत्तम उपाय है भगवान पाने के लिए, भगवान किसी भी रूप में मिल जाते हैं।

शोभायात्रा में पूरे मार्ग पर कलश ही कलश

रामरतन चौधरी व भगवती देवी चौधरी की पावन स्मृति में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा की शुरूआत कलश यात्रा के साथ हुई, हजारों मातृशक्तियां सिर पर कलश लेकर शोभायात्रा में निकली तो पूरे मार्ग पर कलश ही कलश दिखाई दे रहे थे। राधे राधे के जयकारों से पूरा यात्रा मार्ग गुंजायमान हुआ। आस्था का कारबां जहां से भी गुजरा हर कोई इसमें रम गया। कलश यात्रा में साधु- संत शामिल हुए। शाम को कथा में ध्वज पथक के कलाकारों ने ढोल नगाड़े बजाए। श्रीमद् भागवत कथा प्रतिदिन 4 मई तक शाम 4 से 7 बजे तक मां कनकेश्वरी गरबा परिसर, आईटीआई रोड परिसर पर होगी।

# दिग्विजय सिंह की दोहरी चिंता, खुद जीतें या ज्योतिरादित्य सिंधिया को हराएं

**सिटी चीफ भोपाल।**

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राजगढ़ लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी दिग्विजय सिंह इन दिनों दोहरी चिंता में हैं। मतदान के लिए कुछ दिन बचे हैं और वह केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को हराने के लिए कोई खास जतन नहीं कर पा रहे हैं। सिंधिया से उनकी राजनीतिक अदावत पुरानी है। कांग्रेस में रहते हुए भी दोनों के बीच भितरघात सामान्य शिष्टाचार था। अब ज्योतिरादित्य के कांग्रेस छोड़ने के बाद राजनीतिक दुश्मनी एक नए मुकाम पर पहुंच चुकी है। लोकसभा चुनाव में दिग्विजय सिंह राजगढ़ सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। यह सीट जीतना भी उनके लिए चिंता की बात है। दूसरी चिंता यह भी है कि गुना लोकसभा सीट से भाजपा के टिकट पर लड़ रहे ज्योतिरादित्य सिंधिया को हराने के लिए वह कुछ खास कर नहीं पा रहे हैं।

गुना क्षेत्र में दिग्विजय सिंह का भी अच्छा प्रभाव है, लेकिन खुद राजगढ़ से लोकसभा का चुनाव लड़ने के कारण वह ज्योतिरादित्य के विरुद्ध प्रचार या फिर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को प्रेरित नहीं कर पा रहे हैं। दोनों नेताओं की सीट पर तीसरे चरण में सात मई को मतदान होना है।

### ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में दो तरह की कांग्रेस

ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में दो तरह की कांग्रेस हुआ करती थी। एक राजा यानी दिग्विजय समर्थकों की कांग्रेस व दूसरी महाराजा यानी सिंधिया की। 2018 के विधानसभा चुनाव के बाद दोनों के बीच खाई और बढ़ गई। इसकी वजह बताई जाती है कि चुनाव जीतने के बाद दिग्विजय ने सिंधिया को सीएम नहीं बनने दिया।

### माधवराव सिंधिया को मात दी थी दिग्विजय ने

मध्य प्रदेश में राघौगढ़ रियासत से संबंध रखने वाला दिग्गी राजा की ग्वालियर राजघराने के महाराजा ज्योतिरादित्य सिंधिया के बीच केवल सियासी टकराव नहीं है बल्कि राजशाही से कई पीढ़ियों से दोनों परिवारों के बीच मनमुटाव बना हुआ है। माधवराव सिंधिया से भी दिग्विजय की सियासी खींचतान चलती रही है। दिग्विजय जब पहली बार अर्जुन सिंह की मदद से मप्र कांग्रेस के अध्यक्ष बने तो असली दावेदार माधवराव ही थे। दूसरी बार भी दिग्गी राजा ने सिंधिया को 1993 में तब मात दी, जब वह फिर अर्जुन सिंह और कमल नाथ की सहायता लेकर मुख्यमंत्री बन गए। उनके निधन के बाद अब ज्योतिरादित्य और दिग्गी के बीच तलवारें खिंची रहती हैं।

### दोनों का राजनीतिक भविष्य तय करेगा 2024 का आम चुनाव

इस समय दोनों दिग्गज राज्यसभा सदस्य हैं। 2024 का लोस चुनाव दोनों का ही राजनीतिक भविष्य तय करेगा। गुना सीट से सिंधिया भाजपा प्रत्याशी हैं। वह पिछला चुनाव इसी सीट से कांग्रेस प्रत्याशी होते हुए हार गए थे। इस बार दिग्विजय भोपाल के बजाज राजगढ़ सीट से 33 वर्ष बाद लड़ रहे हैं। दिग्विजय अभी तो राजगढ़ में प्रचार कर रहे हैं, मगर ध्यान गुना सीट पर लगा है। कुछ दिन के लिए उन्होंने अपने बेटे जयवर्धन को अपने समर्थकों को सक्रिय करने के लिए गुना भेजा था। दिग्गी ने कांग्रेस से अरुण यादव को सिंधिया के खिलाफ टिकट नहीं मिलने दिया और स्थानीय नेता राव यादवेंद्र सिंह यादव को टिकट दिलाया।

# हबीबगंज नाका से आरआरएल तिराहा तक मार्ग एक माह तक और बंद रहेगा

**सिटी चीफ भोपाल।**

भोपाल मेट्रो रेल परियोजना के तहत हबीबगंज नाका पर गर्डर लांचिंग चिग (आरओबी) का कार्य किया जाना है, आमजन की सुरक्षा को देखते हुए उक्त कार्य के दौरान हबीबगंज नाका से आरआरएल तिराहा तक रोड बंद कर यातायात का डायवर्सन किया जाना आवश्यक है। जिसकी सूचना निर्माण कंपनी द्वारा यातायात पुलिस को दी गई है । सुरक्षित यातायात के दृष्टिकोण से सोमवार से 28 मई तक यातायात डायवर्सन प्लान इस तरह रहेगा। इसके तहत हबीबगंज नाका से आरआरएल तिराहा तक मार्ग पूर्णत: बंद रहेगा।

– आइएसबीटी से होशंगाबाद रोड की ओर जाने वाले वाहन आइएसबीटी , सांची बूथ केन्द्र , कस्तूरबा अस्पताल, डीआरएम आफिस , शक्ति नगर चौराहा , बीएसएनएल तिराहा , आरआरएल तिराहा से होकर नर्मदापुरम रोड की ओर जा सकेंगे ।

इसी प्रकार नर्मदापुरम रोड से आइएसबीटी की ओर जाने वाले वाहन आरआरएल तिराहा, बीएसएनएल तिराहा, शक्ति नगर चौराहा , डीआरएम आफिस , कस्तुरबा अस्पताल , सांची बूथ केन्द्र होकर आइएसबीटी की ओर जा सकेंगे ।

आम जनता से अनुरोध है, कि यातायात के नियमो का पालन करें एवं परिवर्तित मार्ग का उपयोग कर यातायात व्यवस्था वनाये रखने में सहयोग करें किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर यातायात हेल्पलाईन नंबर –0755–2677340,2443850 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

# 5 दिन पहले लापता महिला राजस्थान से बरामद, डेढ़ लाख रुपये में बेचा गया था

**सिटी चीफ भोपाल।**

जहांगीराबाद पुलिस ने एक महिला को राजस्थान के झालावाड़ा के बमीना से बरामद किया है। वह करीब पांच दिन पहले घर से लापता हो गई थी। महिला के पीछे – पीछे राजस्थान पुलिस भी आ गई। महिला के बारे में पता चला है उसे करीब डेढ़ लाख रुपये में बेचा गया था। राजस्थान में महिला और उसके साथियों पर मानव तस्करी की धाराओं में एफआइआर दर्ज की गई है। अब पुलिस इस मामले में

जानकारी जुटा रही है। जानकारी के मुताबिक महिला अपने दो बच्चों के समेत स्वजनों के साथ रहती है। वह पांच दिन पहले अचानक से लापता हो गई थी तो उसकी गुमशुदगी महिला की सास ने जहांगीराबाद थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस ने जब उसकी जानकारी जुटाई तो पता चला है कि वह किसी गिरोह से जुड़ी थी जो राजस्थान में अविवाहित युवक से शादी करवाती है। इसी क्रम महिला की शादी एक युवक से कराई गई थी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पहले भी महिला ऐसा कर चुकी है। इस मामले में झालावाड़ा की बमीना पुलिस जांच कर रही है।

# सी-विजिल एप में शिकायत के बाद तीन डीजे संचालक पर कार्रवाई, थाने में मामला दर्ज

**सिटी चीफ भोपाल।**

जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में जोर आवाज में डीजे बजाने की शिकायत सी-विजिल एप पर की गई थी। इसकी सूचना मध्य विधानसभा के कंट्रोल रुम में पहुंची थी। जिसके बाद जहांगीराबाद थाना पुलिस को मौके पर भेजा गया। जहां तेज आवाज में डीज बजता हुआ पाया गया। लेकिन कार्रवाई से पहले ही डीजे संचालक भीड़ का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए।पुलिसकर्मियों ने बताया कि सी-विजिल एप पर आमजन द्वारा डीजे जोर जोर से बजने की शिकायत होने के बाद मध्य विधानसभा 153 कंट्रोल रूम से सूचना की तस्दीक हेतु थाना जहांगीराबाद भोपाल के पुलिस स्टाफ को रवाना किया गया था। टीम द्वारा डीजे संचालकों से डीजे बजाने की अनुमति एवं आदर्श आचार संहिता के निर्देशों का पालन

करने के संबंध में पूछा गया, तो डीजे संचालक द्वारा अनुमति नहीं होना बताया, तब पुलिस द्वारा कहा गया कि बिना अनुमति डीजे बजाने पर आपके विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी, यह सुनकर डीजे संचालक पुलिस कार्रवाई एवं जुर्माने के डर से भीड का फायदा उठाकर मौके से भाग गए। बिना अनुमति डीजे का संचालन करने पर तीनो डीजे संचालकों के खिलाफ क्रमशः अपराध क्रमांक 167/24, 168/24 एवं 169/24 अंतर्गत धारा 188 भादवि एवं 7/15 कोलाहल अधिनियम के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस स्टाफ द्वारा डीजे एवं डीजे संचालकों की तलाश की जा रही है ।

# मध्य प्रदेश अब 16 साल से कम उम्र के विद्यार्थी कोचिंग में नहीं ले सकेंगे प्रवेश

**सिटी चीफ भोपाल।**

प्रदेश में अब 16 साल से कम उम्र के विद्यार्थी कोचिंग में पढ़ाई नहीं कर सकेंगे। साथ ही कोचिंग संचालक भी मनमानी फीस नहीं वसूल सकेंगे। केंद्र सरकार की जारी गाइडलाइन पर मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। हालांकि, इस आदेश को लागू करने का मसौदा अभी प्रदेश सरकार को तैयार करके कोचिंग संस्थानों को बताना होगा। जारी आदेश के अनुसार प्रदेश के किसी भी कोचिंग में अब मनमानी नहीं चल पाएगी। बता दें, कि बीते दिनों केंद्र सरकार ने विद्यार्थियों द्वारा आत्मघाती कदम उठाने के बढ़ते मामलों को देखते हुए यह आदेश जारी किया था। इसके बाद प्रदेश सरकार ने इस पर संज्ञान लेते हुए आदेश जारी कर दिया है। बता दें, कि वर्तमान में प्रदेश में 40 हजार से अधिक कोचिंग संस्थान हैं। इनमें से कई कोचिंग सेंटर्स में छोटी कक्षाओं से ही प्रवेश देते हैं, जिसमें 16 वर्ष से कम उम्र के विद्यार्थी शामिल होते हैं। उच्च शिक्षा विभाग के इस आदेश का मध्य प्रदेश कोचिंग एसोसिएशन ने स्वागत किया है। साथ ही मांग

भी की है कि आदेश का पालन करने के लिए सरकार द्वारा कोचिंग कंट्रोल एंड रेगुलेशन एक्ट तैयार किया जाना चाहिए।

**पहली बार 25 हजार रुपये का जुर्माना**

जारी दिशा-निर्देश के अनुसार कोचिंग के पंजीयन और अन्य निर्देशों की अवहेलना पाए जाने पर पहली बार में 25 हजार रुपये और दूसरी बार में एक लाख रुपये का जुर्माना लग सकता है। इसके बाद तीसरी बार में रजिस्ट्रेशन निरस्त किया जा सकता है।

# जेपी अस्पताल में 1200 मरीजों की जांच में मिले 291 ओरल कैंसर के मरीज

**सिटी चीफ भोपाल।**

राजधानी के जेपी अस्पताल में पहली बार ओरल कैंसर स्क्रीनिंग आटोफ्लोरेंस आधारित उपकरण वेलस्कोप और गोकल्स से की जा रही है। अस्पताल के डेंटल विंग में यह जांच निःशुल्क की जा रही है। ओरल कैंसर स्क्रीनिंग शिविर में अब तक 1207 लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। जिनमें से 291 लोगों में ओरल कैंसर के प्रारंभिक लक्षण पाए गए हैं। जांच के माध्यम से ओरल कैंसर को शुरुआती अवस्था में ही डायग्नोसिस किया जा सकता है जिससे देरी से डायग्नोस होने के कारण होने वाली विरूपता एवं अन्य परेशानियों से बचा जा सकता है। सीएमएचओ डॉ प्रभाकर तिवारी ने बताया कि शिविर में जिन लोगों में ओरल कैंसर के प्रारंभिक लक्षण पाए गए हैं उनका फॉलोअप किया जा रहा है। तीन मरीजों को बायप्सी के लिए रेफर किया

गया है। तंबाखू उत्पादों जैसे गुटखा, खैनी, जर्दा, बीड़ी, सिगरेट का उपयोग करने वालों में ओरल कैंसर होने की आशंका अन्य लोगों से बहुत अधिक होती है।

## मप्र बोर्ड 10वीं व 12वीं कक्षा की परीक्षा में कई प्राचार्य फिसड्डी साबित हुए, 30 प्रतिशत से कम लाने वाले को नोटिस जारी

**सिटी चीफ भोपाल।**

राजधानी में 500 अतिशेष शिक्षक हैं। करोड़ों का बजट दिया जाता है। प्राचार्य व शिक्षकों का वेतन व सरकारी सुविधाएं ही निजी स्कूलों के शिक्षकों की तुलना में बहुत अधिक है, लेकिन 10वीं व 12वीं कक्षा के परिणाम में फिसड्डी साबित हुए हैं। इनमें कई प्राचार्य और शिक्षक राष्ट्रपति व राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त हैं, लेकिन परीक्षा परिणाम 18 फीसद से भी कम आया है।वहीं 10वीं कक्षा में 17 स्कूलों का परिणाम 30 प्रतिशत से कम आया। 31 स्कूलों का 30 से 50 प्रतिशत के बीच आया है। वहीं 12वीं कक्षा में एक स्कूल का परिणाम 30 प्रतिशत से कम है। कम परिणाम देने वाले प्राचार्यों व शिक्षकों के खिलाफ कार्यवाही की तैयारी की जा रही है। राजधानी में सालों से जमें प्राचार्यों ने कम रिजल्ट दिया है तो कुछ प्राचार्य ने कड़ी मेहनत कर स्कूल का सौ फीसद तक परिणाम दिया है।10वीं में सिर्फ एक स्कूल उत्कृष्ट विद्यालय का सौ फीसद परिणाम आया है। वहीं 12वीं में सिर्फ दो स्कूलों का सौ फीसद परिणाम आया है। बता दें, कि राजधानी के 131 हाई व हायर सेकेंडरी स्कूल हैं ।भोपाल जिले का 10वीं का परिणाम 59.56 और 12वीं का 68.68 प्रतिशत रहा है।प्रदेश में इस बार भोपाल 10वीं में 19वें स्थान और 12वीं में 22वें स्थान पर आया है।प्रदेश में नरसिंहपुर जिला दोनों कक्षाओं में प्रथम पर है। इसके अलावा नीमच, आलीराजपुर व बालाघाट का भी प्रदर्शन अच्छा रहा है। राजधानी का सिर्फ एक उत्कृष्ट विद्यालय के सात विद्यार्थी राज्य स्तरीय और 15 जिला स्तरीय मेधावी सूची में शामिल हैं।शिक्षकों की कमी को बताया रिजल्ट कम होने का कारण राजधानी के स्कूलों में प्राचार्यों ने रिजल्ट कम होने का कारण किसी ने शिक्षकों की कमी तो किसी ने मूलभूत सुविधाओं की कमी को बताया है।10वीं में सबसे खराब परिणाम 13 स्कूलों का 30 प्रतिशत से कम आया है।इसमें शासकीय स्कूल हीराखेड़ी, शासकीय स्कूल बालमपुर, शासकीय स्कूल गनियारी,शासकीय स्कूल बालक कोटरा सुल्तानाबाद,शासकीय स्कूल रातीबड़,शासकीय स्कूल प्रेमपुरा,शासकीय स्कूल सूखी सेवनिया,शासकीय स्कूल उबेदिया, शासकीय स्कूल मुगालियाछाप,शासकीय स्कूल नयासमंद इनका परिणाम सबसे खराब है।

### मध्य प्रदेश का बड़ा मुद्दा

# किसानों की आमदनी बढ़ाना है तो उद्यानिकी और पशुपालन से जोड़ना होगा

**सिटी चीफ भोपाल।**

देश के शीर्ष खाद्यान्न उत्पादक राज्यों में से एक मध्य प्रदेश में कृषि विकास दर 19 प्रतिशत के आसपास है। धान, चना, मसूर, उड़, अरहर, सोयाबीन, सरसों, कपास, मक्का सहित अन्य उपज के उत्पादन में वृद्धि भी हो रही है। सिंचाई और बिजली की सुविधा के कृषि क्षेत्र को विस्तार दिया है पर किसानों की आमदनी बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके लिए उन्हें परंपरागत कृषि के साथ उद्यानिकी और पशुपालन से जोड़ना होगा। केंद्र और राज्य की सरकार भी इस दिशा में प्रयास कर रही हैं पर इसकी गति धीमी है। न तो खाद्य प्रसंस्करण की सुविधा का विस्तार हो पाया है और न ही पशुपालन की ओर किसान आकर्षित हुए हैं। मध्य प्रदेश में तेजी से कृषि क्षेत्र का विकास हुआ है, इस बात से कोई इन्कार नहीं कर सकता है। लगातार सात बार कृषि कर्मण पुरस्कार प्रदेश को मिल चुके हैं। अलग कृषि बजट बनाने के साथ जैविक व प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। लगातार खेती का क्षेत्र भी बढ़ रहा है। 150 लाख हेक्टेयर में खरीफ और रबी की

फसलें ली जा रही हैं। सिंचाई क्षमता में 45 लाख हेक्टेयर से अधिक पहुंच गई है। इससे 2013-14 की तुलना में अकेले गेहूं का उत्पादन 2022-23 में 353 लाख टन पहुंच गया। इसी अवधि में धान का उत्पादन 53 लाख टन से बढ़कर 131 लाख टन हो गया। उत्पादन बढ़ने के साथ-साथ खेती की लागत में भी वृद्धि हुई है। खाद, बीज, खेत तैयार करने के साथ मजदूरी की लागत बढ़ी है, जिसके कारण लाभकारी मूल्य किसानों को नहीं मिल पा रहा है। यही कारण है कि किसान समर्थन मूल्य बढ़ाने की बात करते हैं और आंदोलन भी होते हैं। यही कारण है कि विधानसभा चुनाव में भाजपा ने समर्थन मूल्य समेत धान के प्रति क्विंटल 3,100 और गेहूं के 2,700 रुपये देने का वादा किया। कांग्रेस ने भी दोनों उपजों की कीमत बढ़ाकर देने की घोषणा की थी। मोहन सरकार 125 रुपये प्रति क्विंटल गेहूं उपार्जन पर बोनस देने का निर्णय लिया है। हालांकि, किसान इससे संतुष्ट नहीं हैं क्योंकि उन्हें अभी भी लाभकारी मूल्य नहीं मिल रहा है। यह तब तक संभव नहीं होगा, जब तक किसान परंपरागत कृषि के साथ-साथ उद्यानिकी से नहीं जुड़ेंगे। इसके लिए सरकार के स्तर पर प्रयास भी हो रहे हैं पर ये नाकाफी सिद्ध हो रहे हैं। न तो किसानों को समुचित प्रशिक्षण मिल पा रहा है और न ही बाजार। रतलाम, मंदसौर, पांढुर्णा, सौंसर, बुरहानपुर, खंडवा समेत अन्य जिलों के किसानों ने अमरूद, संतरा, केला, अंगूर, लहसुन, प्याज, आलू, टमाटर, मिर्च सहित अन्य फसलों की खेती प्रारंभ की तो उन्हें लाभ भी हुआ। हालांकि, बाजार की अनुपलब्धता और प्रसंस्करण की सुविधा का अभाव बड़ी समस्या है। कस्टम प्रोसेसिंग सेंटर खोलने की योजना सरकार ने बनाई थी पर यह फलीभूत नहीं हुई। कृषि अधोसंरचना निधि के माध्यम से केंद्र सरकार ने राज्यों को विकल्प उपलब्ध कराया है पर इसका भी सदुपयोग नहीं हो पा रहा है। सहकारी समितियों के माध्यम से कुछ काम प्रारंभ हुआ पर यह नाकाफी है। यही कारण है कि किसान को बिचौलियों के माध्यम से ही उपज को बेचना पड़ता है। विकेंद्रीकृत उपार्जन व्यवस्था में मध्य प्रदेश का देश में महत्वपूर्ण स्थान है। किसानों को बीते पांच वर्षों में समर्थन मूल्य पर उपार्जन कर एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान हो चुका है। 2018-19 से 2022-23 तक गेहूं उत्पादक किसानों को 84 हजार 236 और धान उत्पादक किसानों को 25 हजार 668 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। स्थानीय व्यापारियों के भरोसे किसान मध्य प्रदेश में लगभग 67 प्रतिशत किसानों के पास दो हेक्टेयर से कम भूमि है। ये अपनी आवश्यकताओं के लिए स्थानीय व्यापारियों के भरोसे रहते हैं। बोवनी के लिए खेत तैयार करने से लेकर खाद-बीज आदि के लिए इन्हीं से राशि उधार लेते हैं और उपज आने पर सबसे पहले उधारी चुकाता करते हैं। ये व्यापारी ही निर्धारित करते हैं कि उपज का कितना मूल्य देना है। इससे किसानों को आर्थिक हानि होती है।

**उद्यानिकी और पशुपालन से आमदनी बढ़ेगी**

पूर्व कृषि संचालक जीएस कौशल का कहना है कि किसान की आमदनी तब तक नहीं बढ़ेगा, जब तक वह परंपरागत खेती के साथ उद्यानिकी और पशुपालन को नहीं अपनाएगा। खेती में लागत बढ़ती जा रही है और इसकी भरपाई केवल समर्थन मूल्य से नहीं हो सकती है। किसान को यह भी समझना होगा कि कौन सी फसल उसके लिए आर्थिक तौर पर लाभकारी है।

## साम्पदकीय

# मौसमी अस्थिरता से महंगाई पर काबू पाना मुश्किल

***मौसम का मिजाज बदलने से फसलें चौपट हो रही हैं, जिसका सीधा असर खाद्यान्न की कीमतों पर पड़ रहा है। अब भारतीय रिजर्व बैंक ने भी माना है कि प्रतिकूल मौसम की वजह से महंगाई बढ़ सकती है। यह निस्संदेह रिजर्व बैंक के लिए भी बड़ी चिंता का विषय है।***

*जलवायु परिवर्तन का असर अब दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं पर नजर आने लगा है। खासकर कृषि क्षेत्र इससे बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। मौसम का मिजाज बदलने से फसलें चौपट हो रही हैं, जिसका सीधा असर खाद्यान्न की कीमतों पर पड़ रहा है। अब भारतीय रिजर्व बैंक ने भी माना है कि प्रतिकूल मौसम की वजह से महंगाई बढ़ सकती है। यह निस्संदेह रिजर्व बैंक के लिए भी बड़ी चिंता का विषय है। वह महंगाई को चार फीसद के नीचे रखना चाहता है। इसलिए मार्च में जब खुदरा महंगाई 4.9 फीसद दर्ज हुई तो कुछ उत्साह देखा गया था। तब रिजर्व बैंक ने दावा किया था कि वह जल्दी ही महंगाई पर काबू पा लेगा। मगर अब मौसम का रुख देखते हुए उसे लगने लगा है कि यह काम आसान नहीं होगा। ऐसे वक्त में जब केंद्रीय बैंक खुदरा मुद्रास्फीति को काबू पाने के मिशन में कामयाबी की तरफ बढ़ता नजर आ रहा था, प्रतिकूल मौसमी हालात तथा बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों ने चिंता बढ़ाई है। यही वजह है कि निर्धारित चार फीसदी तक मुद्रास्फीति नियंत्रण के लक्ष्य को लेकर अनिश्चितता पैदा हुई है। दरअसल, बीते माह में खुदरा मुद्रास्फीति की दर 4.9 फीसदी रहने पर केंद्रीय बैंक समेत आर्थिक विशेषज्ञ उत्साहित थे कि अब चार फीसदी के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। दरअसल, इसी मकसद से केंद्रीय बैंक ने अप्रैल 2023 के बाद से रेपो दरों में किसी तरह का बदलाव नहीं किया। केंद्रीय बैंक को आशंका थी कि रेपो दरों में बदलाव से महंगाई बढ़ सकती है। ऐसे में आरबीआई मुद्रा स्फीति की मौजूदा स्थिति को लेकर आशावान हैं। लेकिन साथ ही चिंतित है कि मौसम के मिजाज में लगातार आ रहे बदलाव तथा दो साल से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध व हालिया गाजा संकट से वैश्विक स्तर पर महंगाई बढ़ सकती है। इसका असर भारत पर पड़ना लाजिमी है। इन्हीं आशंकाओं के चलते केंद्रीय बैंक ने अपनी मौद्रिक नीति को नहीं बदला है। वहीं दूसरी ओर भारतीय अर्थव्यवस्था पर पैनी निगाह रखने वाली सीएमआईई की रिपोर्ट में विश्वास जताया गया है कि इस वित्तीय वर्ष के अंत तक खुदरा मुद्रास्फीति पांच साल के न्यूनतम स्तर तक पहुंच सकती है। लेकिन मौसमी अस्थिरता इस मार्ग में बाधक बन सकती है। दरअसल, वैश्विक मौसम संगठन के संकेत हैं कि विपरीत मौसमी स्थितियां हमारी कृषि अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकती हैं। जिसका सीधा असर खाद्यान्न महंगाई पर पड़ सकता है। हालांकि, भारत की सकल घरेलू उत्पाद दर के फिलहाल सात फीसदी रहने के अनुमान तमाम देशी-विदेशी आर्थिक संगठन लगा रहे हैं, लेकिन अचानक पैदा हुई प्रतिकूल परिस्थितियों के बाबत भविष्यवाणी करना आसान नहीं है। लेकिन इसके बावजूद जरूरी है कि महंगाई पर नियंत्रण के प्रयासों के प्रति हम गंभीर रहें। जिसमें दुनिया की सबसे बड़ी हमारी युवा आबादी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। बहरहाल, हमें यह स्वीकार करना होगा कि जलवायु परिवर्तन का असर पूरी दुनिया को गहरे तक प्रभावित करने लगा है। खासकर कृषि क्षेत्र के प्रभावित होने से महंगाई बढ़ने का खतरा लगातार बना हुआ है। अतिवृष्टि-अनावृष्टि और अचानक आने वाली बाढ़ दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं को बुरी तरह प्रभावित कर रही हैं। जिससे सारी दुनिया में खाद्यान्नों की कीमतों में तेजी आ रही है। हमने पिछले दिनों भारत में भी देखा कि जब गेहूं की फसल तैयार होकर खलिहानों तथा मंडियों तक पहुंचने लगी तो पश्चिमी विक्षोभ के चलते हुई बारिश ने काफी नुकसान किया। निश्चित रूप से गोदाम पहुंचने से पहले अनाज का भीग जाना किसान के लिये संकट का सबब बन जाता है। यह घटनाक्रम अब हर साल का हिस्सा है। हजारों टन अनाज बेमौसमी बारिश की भेंट चढ़ जाता है। जिससे अनाजों, फलों व सब्जियों की फसल खराब होने से खाने-पीने की वस्तुओं के दाम बढ़ जाते हैं। पर्याप्त भंडारण की व्यवस्था न होने के कारण बिचौलिये जमाखोरी के जरिये वस्तुओं के दामों में कृत्रिम उछाल पैदा कर देते हैं। जो कालांतर खुदरा मुद्रास्फीति बढ़ने का कारण बन जाता है। इसका सीधा असर आम आदमी की थाली पर पड़ता है। वहीं दूसरी ओर रूस-यूक्रेन युद्ध, हालिया गाजा संकट एवं समुद्री जहाजों पर हूती विद्रोहियों के हमलों ने भी कच्चे तेल के दामों में तेजी पैदा की है। इस तरह पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में उछाल से ढुलाई का खर्च बढ़ जाता है। जो कालांतर महंगाई की एक वजह भी बनता है।*

# देश में हीटवेव संकट की भयावहता के आंकड़े चिंताजनक...

**भारतीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान भारत के हीटवेव संकट की भयावहता के चिंताजनक आंकड़े रेखांकित कर रहे हैं। विभाग के अनुसार पिछले एक दशक में लू की आवृत्ति और तीव्रता में वृद्धि हो रही है। हीटवेव संकट सिर्फ मौसम संबंधी या कृषि संबंधी मुद्दा नहीं बल्कि यह एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती भी है।**

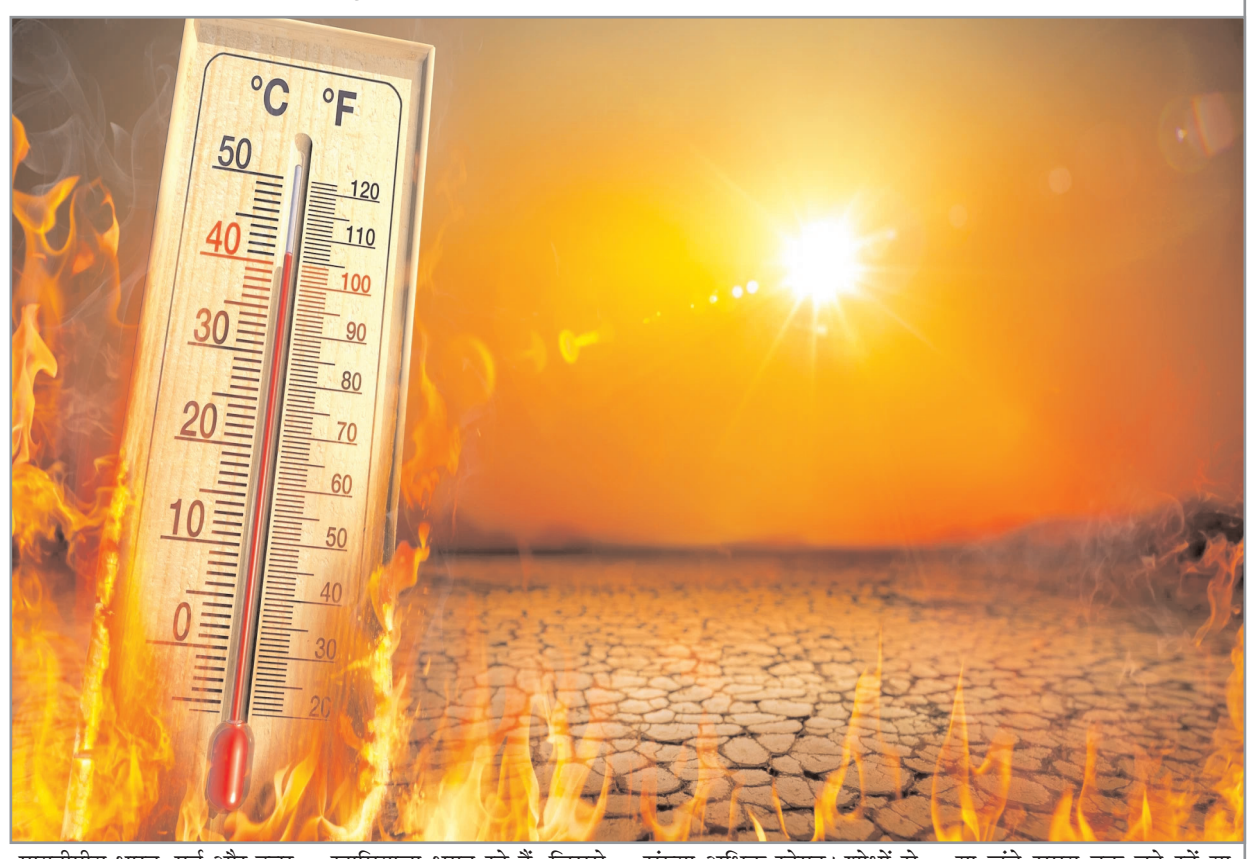


मौसम वैज्ञानिकों द्वारा वर्ष 2023 को पिछले 174 सालों का सबसे गर्म साल घोषित किए जाने के बाद अब भारतीय मौसम विभाग ने भी चालू वर्ष की ग्रीष्म ऋतु को सामान्य से अधिक गर्म होने की चेतावनी दे दी है।

जाहिर है कि हमारे सामने एक नहीं बल्कि दो खतरे मुंह बाए खड़े हैं। इनमें एक खतरा लू का और दूसरा खतरा अतिवृष्टि से बाढ़ आदि का है, इसलिए आशा की जानी चाहिए कि हमारी सरकारें और खासकर आपदा प्रबंधन तंत्र इन खतरों से निपटने के लिए तैयार हो चुका होगा। इस साल कोलकाता में अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस पार कर चुका है जबकि अभी ग्रीष्म ऋतु की शुरुआत ही हुई है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) द्वारा इस साल की ग्रीष्म ऋतु के बारे में जारी पूर्वानुमान के अनुसार अप्रैल से जून के बीच देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। केवल उत्तर पूर्व और उत्तर पश्चिम भारत के इक्का दुक्का क्षेत्रों में तापमान सामान्य से कम रहने की संभावना व्यक्त की गई है।

देश के अधिकांश हिस्सों में मासिक न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। विभाग द्वारा मैदानी इलाकों में हीट वेव यानी कि लू चलने की चेतावनी दी गई है। इसके साथ ही उत्तर पश्चिम भारत के अधिकांश हिस्सों और मध्य भारत के कई हिस्सों, उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत, पूर्व और उत्तर पूर्व के कुछ हिस्सों में सामान्य से अधिक वर्षा होने का पूवार्नुमान मौसम विभाग ने जारी किया हुआ है। भारतीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान भारत के हीटवेव संकट की भयावहता के चिंताजनक आंकड़े रेखांकित कर रहे हैं। विभाग के अनुसार पिछले एक दशक में लू की आवृत्ति और तीव्रता में वृद्धि हो रही है। हीटवेव संकट सिर्फ मौसम संबंधी या कृषि संबंधी मुद्दा नहीं बल्कि यह एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती भी है। भारत में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने हीटवेव्स की गंभीरता को पहचानते हुए इन्हें 2021 में आपदा के रूप में वगीर्कृत किया है। विभाग की रिपोर्टें गर्मी से संबंधित मृत्यु दर में बढ़ती प्रवृत्ति का संकेत देती हैं।

हाल के वर्षों में हजारों मौतें हीटवेव के कारण हुई हैं। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पूर्व सचिव एम राजीवन एवं कमलजीत रे, एस एस रे, आर के गिरि और ए पी डिमरी आदि वैज्ञानिकों द्वारा 2021 में प्रकाशित एक शोध पत्र के अनुसार भारत में 50 वर्षों में हीटवेव ने 17,000 से अधिक लोगों की जान ले ली है। इस शोध पत्र में कहा गया है कि 1971-2019 तक देश में 706 हीटवेव घटनाएं हुईं। एक अन्य शोध के अनुसार 2015 की घातक हीटवेव में 2,500 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इससे श्रम उत्पादकता, स्वास्थ्य देखभाल लागत और कृषि उत्पादन में नुकसान के साथ आर्थिक प्रभाव भी महत्वपूर्ण है। ग्रामीण क्षेत्र, जो पहले से ही आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहे हैं, इन प्रभावों का खामियाजा भुगत रहे हैं, जिससे गरीबी और स्वास्थ्य असमानताएं और बदतर हो रही हैं।

अभी अधिकतम तापमान कहां तक उछलेगा, इसका पूर्वानुमान तो नहीं आया मगर 19 मई 2016 को राजस्थान के फलोड़ी में अधिकतम तापमान 51 डिग्री सेल्सियस तक उछल चुका है। भारत हाल के वर्षों में भीषण गर्म हवाओं का सामना कर रहा है। देश में अत्यधिक उच्च तापमान अक्सर 50 डिग्री सेल्सियस के करीब चला जाता है, जिससे गर्मी की लहरें या लू पैदा होती है। ये गर्मी की लहरें आम तौर पर अप्रैल और जुलाई के बीच होती हैं, जो लाखों लोगों के जीवन और आजीविका को गंभीर रूप से प्रभावित करती हैं। इन लू के थपेड़ों से कृषि प्रधान ग्रामीण क्षेत्र विशेष रूप से अधिक प्रभावित होते हैं। इस विकट मौसम के कारण फसल की पैदावार प्रभावित होती है और किसानों पर काम का बोझ बढ़ जाता है।

गर्म हवा से शहरी क्षेत्र भी अछूते नहीं हैं। क्योंकि कंक्रीट और डामर की गर्मी से तापमान में वृद्धि होती है। एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2020 में हीटवेव के दिनों की संख्या चार थी। इसी प्रकार 2021 में गर्म लहरों के दिनों की संख्या तीन और 2022 में 17 थी। इस साल अप्रैल और जून के बीच गर्मी की लहरों के पूवार्नुमान से पता चलता है कि गर्मी की लहर वाले दिनों की संख्या सामान्य से ऊपर होगी, खासकर गुजरात, मध्य महाराष्ट्र और उत्तरी कर्नाटक जैसे क्षेत्रों में, इसके बाद राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तरी छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश में हीटवेव्स दिनों की संख्या अधिक रहेगह। शोधों से पता चला कि देश के विभिन्न हिस्सों में चार से आठ दिनों की सामान्य गर्मी की तुलना में इस बार दस से 20 दिनों तक गर्म लहरें चलने की आशंका है।

इन लू के थपेड़ों से बुजुर्ग, बच्चे और बाहर काम करने वाले लोग निर्जलीकरण जैसी गर्मी से संबंधित बीमारियों के प्रति संवेदनशील होते हैं। हीटवेव के दौरान लोगों में बेहोशी, त्वचा संबंधी समस्याएं, सांस फूलना, शरीर में दर्द, आंखों में संक्रमण, पीठ दर्द और चोट जैसी स्थितियों से पीड़ित होने की शिकायतें रहती हैं। विशेष रूप से, हीटवेव से थकावट और हीट स्ट्रोक, श्वसन संबंधी समस्याएं, त्वचा रोग और यहां तक कि मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं जैसी गंभीर स्थितियां भी पैदा हो सकती हैं।

लू लगने से एडर्ना (सूजन) और सिंकोप (बेहोशी) हो सकती है और आमतौर पर 39 डिग्री सेल्सियस यानी 102 डिग्री फारेनहाइट से नीचे बुखार आ सकता है। लू लगने से थकान, कमजोरी, चक्कर आना, सिरदर्द, मतली, उल्टी, मांसपेशियों में ऐंठन और पसीना आ सकता है। इससे दौरे या कोमा के साथ शरीर का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस यानी 104 डिग्री फारेनहाइट इससे अधिक हो सकता है जो कि एक संभावित घातक स्थिति है।

यदि आपको लगता है कि कोई हीटवेव से पीड़ित है तो उस व्यक्ति को छाया के नीचे किसी ठंडी जगह पर ले जाएं। पीड़ित को पानी या पुनर्जलीकरण पेय दें (यदि व्यक्ति अभी भी होश में है) और उस व्यक्ति को पंखे से हवा दें। यदि लक्षण बदतर हो जाएं या लंबे समय तक बने रहें या व्यक्ति बेहोश हो तो डॉक्टर से परामर्श लें। प्रभावित व्यक्ति के शरीर को ठंडा रखने के लिए उसके चेहरे और शरीर पर ठंडा गीला कपड़ा डालकर रखें। लेकिन उसे शराब, कैफीन या वातित पेय न दें। उसे बेहतर वेंटिलेशन के लिए कपड़े ढीले करें।

देश में हीटवेव संकट से निपटने के लिए बहुआयामी रणनीति की आवश्यकता है। मुख्य रणनीतियों में ताप कार्ययोजनाओं को विकसित करना और लागू करना, सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना और अत्यधिक तापमान का सामना करने के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार करना शामिल है। सरकारें और स्थानीय अधिकारी लोगों की सुरक्षा के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली और हीटवेव अलर्ट स्थापित कर सकते हैं। जन जागरूकता अभियान के तहत लोगों को गर्मी से संबंधित बीमारियों को पहचानने और हाइड्रेटेड रहने, चरम गर्मी के घंटों के दौरान बाहरी गतिविधियों से बचने और उचित कपड़े पहनने जैसे निवारक उपायों को अपनाने के बारे में शिक्षित करना जरूरी है। इसके साथ ही बुनियादी ढांचे में सुधार की नितांत आवश्यक है, जैसे हरित स्थानों को बढ़ाना और इमारतों को ठंडा रखने वाले पारंपरिक वास्तुशिल्प डिजाइनों को बढ़ावा देने से गर्मी के प्रभाव को कम किया सकता है। इसके अतिरिक्त, गर्मी प्रतिरोधी फसलें और अधिक कुशल शीतलन प्रणाली विकसित करने के लिए अनुसंधान और प्रौद्योगिकी में निवेश दीर्घकालिक समाधान प्रदान कर सकता है।

# राजनीति से क्यों कन्नी काट जाता है आम आदमी?

*इन दिनों लोकसभा चुनाव को लेकर फिजा में चारों तरफ सियासी सरगर्मियां हैं। मैं अपने घर से ऑटो से ऑफिस के लिए निकला। ऑटो शेयरिंग था लेकिन बतौर सवारी मैं अकेला था। ऑटो वाले भैया से मेरी बातचीत शुरू हुई तो उन्होंने मेरे बारे में पूछा कि कहां रहते हैं, क्या करते हैं? वह मेरे पेशे (पत्रकारिता) के बारे में जानकर कुछ शहर की और कुछ अपने मोहल्ले की समस्याओं के बारे में बताने लगे जिनसे उन्हें रोज जूझना पड़ता है। चुनावी माहौल की वजह से मैं भी उससे पूछ बैठा कि राजनीति में क्या चल रहा है। आपके यहां से इस बार कौन जीतेगा? उन्होंने तुरंत मेरे सवाल से किनारा कर लिया और पल्ला झाड़ते हुए बोले कि राजनीति से मेरा कोई लेना देना नहीं है। मैं इन चक्करों में नहीं पड़ता। मुझे अपने बच्चे पालने हैं। उसके इस जवाब से मैं तो अपराधबोध में आ गया।*

*सोचने लगा कि हमारे आसपास ऐसे लोगों की बड़ी संख्या है जो अक्सर यह कहते हुए मिल जाते हैं, मैं तो राजनीति से दूर रहता हूं। अरे भाई, राजनीति से मेरा घर नहीं चलता, मेरा घर तो नौकरी से चलता है भाई, यह राजनीति किसी को रोटी नहीं देती। मेरा राजनीति से क्या लेना-देना। मेरे साथ राजनीति मत करो। कई लोग यह भी कहते हुए मिल जाते हैं कि बहुत राजनीति कर रहे हो। इस तरह के जवाब काफी पढ़े-लिखे लोग भी देते हैं। कई बार यह भी कहा जाता है कि पढ़ने-लिखने वाले छात्रों को राजनीति से दूर रहना चाहिए जबकि छात्र हमारे देश का भविष्य हैं। उनकी सबसे बड़ी जरूरत शिक्षा है। उनकी शिक्षा कैसी होगी, यह सब राजनीति से जुड़े लोग तय करते हैं। ऐसे में छात्रों को राजनीति से दूर रहने की नसीहत देना कितना सही है? और सिर्फ छात्र ही नहीं, राजनीति पर सबका अपना नजरिया होना चाहिए।*

*लेकिन क्या एक लोकतांत्रिक देश में राजनीति के प्रति इतनी उदासीनता सही है? अंग्रेजी में एक कहावत है- जब राजनीति ही तय करती है कि आपका भविष्य क्या होगा, ऐसे में आपको यह जरूर तय करना चाहिए कि आपकी राजनीति क्या हो। जाने-माने शायर जावेद अख्तर कहते हैं कि राजनीति से खुद को दूर रखने की बात वैसी ही है, जैसे कोई दिल्ली में रहता हो और कहे कि हमारा प्रदूषण से कोई लेना-देना नहीं है। जब हमारा खाना-पीना, आना-जाना, हमारी सुरक्षा, हमारी कमाई, हमारा खर्च, हमारी बचत, हमारी स्वास्थ्य सुविधाएं, शिक्षा और यहां तक कि हमें किस तरह की हवा में सांस लेनी है, यह भी राजनीति से तय होता है तो हम खुद को राजनीति से दूर कैसे रख सकते हैं?*

*राजनीति करने का मतलब, चुनाव लड़ने से नहीं है। हम जिस राजनीति की बात कर रहे हैं या जिस तरह से हमें राजनीति करने का अधिकार हमारे संविधान से मिला है, उसका मतलब सिर्फ वोटों की होड़ से नहीं है। इसका मतलब किसी राजनीतिक पार्टी या नेता के पीछे झंडे लेकर और टोपी पहनकर दौड़ने से भी नहीं है। किसी पार्टी का पार्ट टाइम या फुल टाइम कार्यकर्ता बनने से भी नहीं है। राजनीति से मतलब है कि हम जिस देश में रहते हैं, उसकी नीतियां कैसी हों और कौन लोग बना रहे हैं? इसके पीछे उनकी मंशा क्या है? इससे हमारे जीवन, हमारे समाज, हमारे बच्चों, आने वाली हमारी पीढ़ियों और हमारे देश के वर्तमान व भविष्य पर क्या प्रभाव पड़ेगा? राजनीति का अर्थ इन सब बातों के प्रति सजग रहने से है। इसके लिए लोकतांत्रिक तरीके से अपने वोट के जरिए, सोच-समझ कर सही व्यक्ति का चुनाव करने से है।*

*सबसे बड़ी बात यह है कि हमारे समाज में राजनीति के प्रति नकारात्मक धारणा एक दिन में नहीं आई है। आजादी के बाद से ही धीरे-धीरे और बहुत सुनियोजित तरीके से राजनीति को हमारे दिमाग में बहुत गलत अर्थों में फिट किया गया है। राजनीति के प्रति एक डर भी बहुत सुनियोजित तरीके से दिमाग में बैठाया गया ताकि लोग राजनीतिक रूप से इतने जागरूक न हो सकें, जितनी जागरूकता की जरूरत एक लोकतांत्रिक देश में रहने वाले नागरिकों को होती है। जो लोग राजनीतिक रूप से ताकतवर हैं, वे नहीं चाहते हैं कि इस पूरी व्यवस्था में उनके अलावा कोई दूसरा आए या राजनीति के प्रति अपना तार्किक विचार रख सके। राजनीति से जुड़े लोग तो सिर्फ यही चाहते हैं कि आप वैसा ही सोच सकें, जैसा वे चाहते हैं। कई बार अनायास ही कह दिया जाता है कि भाई तुम इस राजनीति में मत पड़ो। कई बार सलाह के रूप में तो कई बार धमकी के रूप में भी यहां मतलब सिर्फ राजनीति से ही नहीं है। यहां यह मेसेज दिया जाता है कि तुम किसी भी उस प्रपंच में मत पड़ो, जिसमें तुमसे बड़े दिग्गज पहले से शामिल हैं। राजनीति को आम जनमानस में इस तरह से रेखांकित किया जाता रहा है कि यह गुंडे, मवाली और भ्रष्ट लोगों के लिए बनी है। इसका नतीजा यह हुआ कि राजनीति धीरे-धीरे सही अर्थ से दूर होती चली गई और लोग उस राजनीति से भी बचने लगे जो सही मायने में हमें करनी चाहिए। इसी सोच का नतीजा है कि सरकार की तरफ से लोगों को वोट डालने के लिए छुट्टी दी जाती है मगर उस दिन लोग वोट देने के बजाय घूमने निकल जाते हैं।*

*लोकतंत्र में ऐसी संवैधानिक व्यवस्था है जिसमें राजनीतिक रूप से सबको बराबर का अधिकार दिया गया है। सबकी भागीदारी भी तय की गई है। आज के दौर में चाहे कोई भी बड़ा पूंजीपति ही क्यों न हो, उनके पास संपत्ति चाहे कितनी भी हो, लेकिन सिर्फ एक वोट का अधिकार है। किसी के पास भी दो वोट देने का अधिकार नहीं है। ऐसे में राजनीतिक रूप से जागरूक रहना और अपने वोट की ताकत के जरिए राजनीति में अपनी भागीदारी तय करना, सबका अधिकार भी है और जिम्मेदारी भी इतना ही नहीं, जिसे आपने चुना है, उससे सवाल पूछने का भी आपको अधिकार है। यही तो राजनीति है।*

*1947 से पहले देश में जो राजनीति थी, वह आजादी की लड़ाई के लिए थी। शुरुआती दौर में हमारे देश के लोगों को लगता था कि यह राजा से राजा की लड़ाई है, इससे हमारा क्या लेना-देना? जिसका नतीजा था कि हम 200 बरसों तक गुलाम रहे। लेकिन महात्मा गांधी ने आजादी की लड़ाई को आम जनमानस की लड़ाई बना दिया। गांधी ने बताया कि यह लड़ाई हमारी आपकी और सबकी है। खेत में काम करने वाले किसान और फैक्ट्रियों में काम करने वाले मजदूर, सबको लगने लगा कि यह हमारी लड़ाई है। इसी तरह यह राजनीति भी सिर्फ उन लोगों के लिए नहीं है जो चुनाव लड़ रहे हैं। जब राजनीति से हो हमारा सब कुछ सुनिश्चित होता है तो हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपनी राजनीतिक भागीदारी को तय करें।*

# तीन दिन में ही रुसलान का हुआ बंटाधार, वीकेंड पर मैदान-बड़े मियां छोटे मियां को मिला फायदा

सिनेमाघरों में इन दिनों कई फिल्में लगी हुई हैं, जो दर्शकों का मनोरंजन करा रही हैं। इस शुक्रवार सिनेमाघरों में रिलीज हुई आयुष शर्मा की फिल्म रुसलान से दर्शकों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन सिनेमाघरों में आते ही इस फिल्म का बुरा हाल हो गया है। फिल्म ने तीन दिन में ही अपने घुटने टेक दिए हैं। वहीं, कई दिनों से सिनेमाघरों में लगी अजय देवगन स्टारर फिल्म मैदान और बड़े मियां छोटे मियां दर्शकों को अब भी पसंद आ रही हैं। हालांकि, वक्त के साथ इन फिल्मों की कमाई में भी गिरावट देखने को मिल रही है। मगर इस वीकेंड इनकी कमाई में उछाल देखी गई है। ऐसे में जानते हैं रविवार को बॉक्स ऑफिस पर इन सभी फिल्मों का क्या हाल रहा...

फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस के टिकट विंडो पर पहले दिन महज 55 लाख रुपये की ओपनिंग ली। दूसरे दिन यानी कि शनिवार को फिल्म ने 85 लाख रुपये की कमाई की थी। वहीं, तीसरे दिन रुसलान ने 79 लाख रुपये की कमाई की है। इसके साथ ही फिल्म ने 2.09 करोड़ की कमाई कर ली है।

## मैदान

अजय देवगन की फिल्म मैदान मजबूती के साथ बॉक्स ऑफिस पर अपने पैर जमाए हुए है। हालांकि फिल्म का बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन वक्त के साथ फीका होता दिख रहा है। मगर इस वीकेंड पर मैदान की कमाई में उछाल देखने की मिली है। 17वें दिन फिल्म ने 1.50 करोड़ रुपये की कमाई की थी। वहीं, 18वें दिन बड़े मियां छोटे मियां ने 1.90 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसी के साथ ही मैदान का टोटल कलेक्शन 42.75 करोड़ रुपये हो गया है।

## बड़े मियां छोटे मियां

अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ स्टारर फिल्म बड़े मियां छोटे मियां दर्शकों का अब भी मनोरंजन कर रही है। हालांकि गुजरते दिनों के साथ फिल्म की कमाई में गिरावट देखी जा रही है। बड़े मियां छोटे मियां की कमाई अब लाखों में सिमट गई है। 17वें दिन फिल्म ने 65 लाख रुपये की कमाई की थी। वहीं, रविवार को फिल्म की कमाई में उछाल देखने को मिला। 18वें दिन 1.10 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसी के साथ ही फिल्म का कुल कलेक्शन 60.65 करोड़ रुपये हो गया है।

# कभी बॉलीवुड कलाकारों के लिए कॉफी आर्डर करती थीं परिणीति, बनना चाहती थीं इन्वेस्टमेंट बैंकर

परिणीति चोपड़ा ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी एक पहचान बना ली है। अपनी हालिया रिलीज फिल्म चमकीला के लिए उन्हें काफी तारीफें भी मिली हैं। उनकी छवि हिंदी सिनेमा में काफी प्रशंसित और कुशल अभिनेत्री की है। अपनी हालिया रिलीज फिल्म की सफलता का आनंद ले रही इस अभिनेत्री ने अपना करियर एक इंटर्न के तौर पर किया था। इस इंटरव्यू में अभिनेत्री ने अपने इंटर्नशिप वाले दिनों का जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि वह बॉलीवुड के कई बड़े नामों के लिए कॉफी आर्डर किया करती थीं।

**यशराज फिल्म्स में की इंटर्नशिप**

परिणीति चोपड़ा हिंदी सिनेमा की सबसे यादा शिक्षित कलाकारों में से एक हैं। वह इन्वेस्टमेंट बैंकर बनना चाहती थीं। इस वजह से उन्होंने मैनचेस्टर बिजनेस स्कूल में दाखिला भी लिया। हालांकि, किस्मत ने उन्हें अभिनेत्री बनाने का निश्चय कर लिया था, जिसके बाद वह मुंबई आ गईं। एक दिन वह अपनी बहन प्रियंका चोपड़ा की फिल्म की शूटिंग देखने सेट पर पहुंची थीं, जहां उन्हें मार्केटिंग और पीआर डिपार्टमेंट में जॉब ऑफर हुई। एक पॉडकास्ट के दौरान अभिनेत्री ने बताया कि यशराज बैनर के लिए काम करने के दौरान उन्होंने रानी मुखर्जी की दिल बोले हड़िप्पा, दीपिका पादुकोण एवं नील नितिन मुकेश की लफंगे परिंदे और अनुष्का-शाहिद की फिल्म बदमाश कंपनी का प्रमोशन भी किया।

**कलाकारों के लिए कॉफी आर्डर करती थी**

इस दौरान चमकीला अभिनेत्री ने बताया, ,उनके इंटरव्यूज का ध्यान रखने से लेकर उनके लिए कॉफी आर्डर करने तक मैं सारे काम करती थी। एक इंटर्न के तौर पर मेरी आखिरी फिल्म बैंड बाजा बारात थी। परिणीति ने बताया कि वहां डेढ़ साल तक काम करने के बाद उन्होंने काम छोड़ दिया था। इसमें आगे बताते हुए उन्होंने कहा कि आज जो मीडिया से जुड़े दोस्त उनकी इंटरव्यू लेते हैं, उन्हीं लोगों से वह बॉलीवुड के बड़े कलाकारों का इंटरव्यू शेड्यूल कराती थीं। आदित्य चोपड़ा ने दी थी तीन फिल्मों की डील

अभिनेत्री बनने के सफर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यशराज से नौकरी छोड़ने के बाद, उन्हें आदित्या चोपड़ा ने फोन किया। वह उनसे अपने कार्यालय में मिलना चाहते थे। इस पर आगे बताते हुए परिणीति ने कहा, मैं सोच में पड़ गई थी कि वो मुझे क्यों बुला रहे हैं। जब मैं गई तो उन्होंने मुझे बिठाया और कहा, तो परिणीति, मैं तुम्हें यशराज की तीन फिल्मों के लिए साइन करुंगा । इस पर अभिनेत्री ने आगे बताते हुए कहा कि उन्हें पहले तो इस पर यकीन ही नहीं हुआ था।

# काजोल ने फैन के साथ रेस्तरां में किया दुर्व्यव्हार, सोशल मीडिया पर पोस्ट हुई वायरल, जमकर हो रही आलोचना

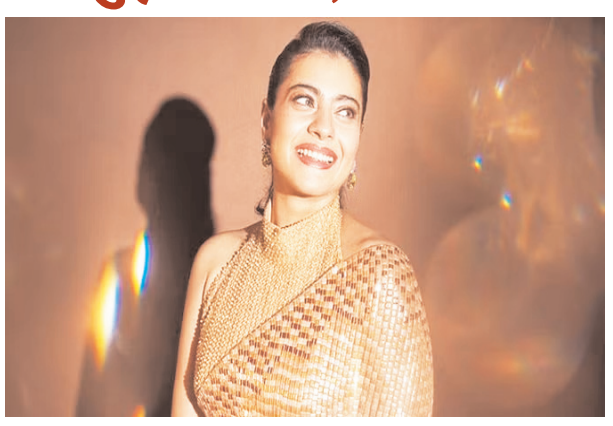

काजोल ने अपने फिल्मी करियर में अलग-अलग किस्म के रोल अदा किए हैं। डेब्यू फिल्म %बेखुदी% से अब ओटीटी तक उन्होंने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है। अभिनेत्री अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपने निजी जिंदगी को लेकर भी अक्सर चर्चा में रहती हैं। अब हाल ही में, अभिनेत्री के लेकर एक पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके लिए उनकी खूब आलोचना भी की जा रही है। आइए जानते हैं कि मामला क्या है। काजोल के प्रशंसक अब अभिनेत्री को ट्रोल करने से पीछे नहीं हट रहे हैं। एक फैन ने खुलासा किया कि अभिनेत्री ने हाल ही में अपने एक प्रशंसक के साथ एक रेस्तरां में काफी बुरा व्यवहार किया था। फैन जुहू में एक हाई-एंड रेस्तरां में वेटर के रूप में काम करता था। एक यूजर ने खुलासा किया कि उसका भाई काजोल का बहुत बड़ा प्रशंसक है और उनकी हर फिल्म को बार-बार देखता है। कल काजोल अपने कुछ दोस्तों के साथ उस रेस्तरां में आई, जहां वह काम करता था, वह बहुत खुश हुआ। यूजर ने कहा, आमतौर पर उसे बैकएंड ड्यूटी मिलती है क्योंकि वह नंबरों में अच्छा है, लेकिन डिनर खत्म होने के बाद उन्होंने उसे बिल संभालने की इजाजत दी। आगे यूजर ने कहा, वह बस इतना कहना चाहता था कि काजोल का आना उसके लिए किसी सपने से कम नहीं था और वह उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देना चाहता। मेरा भाई काजोल को देखकर रोने लगा, लेकिन काजोल ने सिर्फ इतना कहा %हो गया? अब नौटंकी बंद करो और बिल लो! और उन्होंने मैनेजर से उसके जैसे लोगों को काम पर रखने की शिकायत की। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, कई नेटिजंस ने निराशा व्यक्त की और अभिनेत्री के व्यवहार के कारण उनसे नाराज दिखे। एक यूजर ने लिखा, वह बॉलीवुड के इतिहास की सबसे असभ्य सेलिब्रिटी होंगी। जो भी उनसे मिला है, उसके पास कहने के लिए कुछ नहीं है।

# प्रियंका चोपड़ा ने शेयर किया प्यार भरा फैमिली टाइम वीडियो, बार-बार देखने का करेगा मन!

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा अक्सर अपने परिवार के साथ मौज-मस्ती करते हुए दिखाई देती हैं। वह समय-समय पर सोशल मीडिया पर अपनी जिंदगी से जुड़े अपडेट देती रहती हैं। इसी सिलसिले को जारी रखते हुए उन्होंने फिर एक बार ऐसा ही पोस्ट किया है, जिसमें वह अपने परिवार के साथ आनंद लेती नजर आ रही हैं।

**परिवार संग बिताए प्यार भरे पल**

प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इसमें उनकी बेटी मालती मैरी और पति निक जोनस भी दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो में तीन लोगों के इस परिवार को प्यार भरे पल बिताते हुए देखा जा सकता है। पिछले दिनों प्रियंका के परिवार ने किस तरह से अपने दिन गुजारे, उसकी एक छोटी सी झलक को आप इस वीडियो में देख पाएंगे।

**पहाड़ों के बीच घूमती दिखीं प्रियंका** वीडियो की शुरुआत निक से होती है, जो घर में ठंड से बचने के लिए आग जलाते हुए दिखते हैं। प्रियंका चोपड़ा वादियों में घूमने का आनंद लेते हुए नजर आ रही हैं। इसके अलावा उन्हें अपनी बिटिया के साथ खेलते हुए और उसे आइसक्रीम खिलाते हुए भी देखा जा सकता है। मां-बेटी का यह रिश्ता प्रियंका के फैंस को काफी पंसद आ रहा है।

**हेड्स ऑफ स्टेट्स की शूटिंग में व्यस्त हैं प्रियंका** प्रियंका इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट्स की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह एक एक्शन कॉमेडी फिल्म है। कुछ ही दिन पहले उन्होंने फिल्म की लोकेशन से एक सेल्फी शेयर की थी। इससे पहले उन्होंने अपनी स्विट्जरलैंड में बिताई छुट्टियों की तस्वीरों को पोस्ट किया था।

**इन फिल्मों में भी आएंगी नजर**

फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट्स के अलावा प्रियंका चोपड़ा द ब्लफ में भी नजर आएंगी। इसका निर्देशन फ्रैंक ई फ्लावर्स कर रहे हैं। वहीं, हिंदी सिनेमा की बात करें तो प्रियंका जी ले जरा में अभिनय करती दिखेंगी। इस फिल्म का निर्देशन फरहान अख्तर करेंगे। फिल्म में प्रियंका के अलावा कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट भी नजर आएंगी।

## राशि खन्ना का खुलासा, स्क्रिप्ट पढ़े बिना ही साइन की तेलुगु फिल्म बाक

हॉरर फिल्म अरनमनई 4 लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फैंस भी इस फिल्म से जुड़ी हर जानकारी जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। यह एक हॉरर कॉमेडी और सस्पेंस से भरी फिल्म है। यह फिल्म 3 मई 2024 को रिलीज होगी। तेलुगु में इस फिल्म को उसी दिन बाक के नाम से रिलीज किया जाएगा। फिल्म को लेकर दर्शक काफी उत्साहित हैं। उन्हें फिल्म के इस चौथे भाग से काफी उम्मीदें हैं। अरनमनई 4 पहले इस फिल्म की रिलीज डेट 26 अप्रैल तय की गई थी, लेकिन अब इसे 3 मई को सिनेमाघरों में रिलीज किया जा रहा है। अरनमनई 4 में रामचंद्र राजू, कोवई सरला, योगी बाबू, वीटीवी गणेश, दिल्ली गणेश और कई दिग्गज कलाकार हैं। फिल्म का निर्माण अवनि सिनेमैक्स के बैनर तले खुशबू सुंदर द्वारा किया गया है और संगीत संगीतकार जोड़ी हिपहॉप तमिझा द्वारा दिया गया है। राशी खन्ना दक्षिण में एक ठोस हिट की तलाश में हैं और उन्होंने बाक से काफी उम्मीदें लगा रखी हैं। तेलुगु रायों में तेलुगु संस्करण कि यह फिल्म कैसा प्रदर्शन करती है। इस फिल्म से फैंस के साथ ही स्टारकास्ट को भी काफी उम्मीदें हैं। राशि खन्ना का खुलासा फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही तमन्ना भाटिया और राशि खन्ना भी इसका प्रचार करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही हैं। एक इंटरव्यू के दौरान राशि खन्ना ने कहा, जब सुंदर सी ने उन्हें फोन किया तो उन्होंने (राशि) बिना स्क्रिप्ट सुने ही फिल्म के लिए हां कह दिया। वह इसकी स्क्रिप्ट सुनना ही नहीं चाहती थीं क्योंकि वह सिर्फ इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनना चाहती थीं। अरनमनई सीरीज अरनमनई सीरीज की पहली फिल्म साल 2014 में रिलीज हुई थी। पहले भाग में हंसिका मोटवानी, विनय राय, सुंदर और एंड्रिया जेरेमिया ने मुख्य भूमिका अदा की थी।

# 'कयामत से कयामत तक' के लिए आमिर ने ऑटो पर चिपकाए पोस्टर, मंसूर से इस बात पर हो गया झगड़ा

आमिर खान ने रविवार की रात अपने टीवी शो 'सत्यमेव जयते' का एक पुराना प्रोमो रिलीज किया तो लोगों ने उनसे उनके इस शो की वापसी की मांग शुरू कर दी। देश में चल रहे लोकसभा चुनावों को लेकर जारी किए गए इस प्रोमो में कुछ लोग रेड सिगनल जंप करते दिखते हैं, लेकिन थोड़ी ही देर बाद वहां वाहनों की कतार भी लगने लगती है। इस कतार में एक ऑटो भी शामिल है और ये ऑटो रिक्शा ही जिसे आमिर खान ने अपने जीवन की पहली मार्केटिंग कैंपने का हिस्सा बनाया था। उनकी पहली बतौर रोमांटिक हीरो फिल्म 'कयामत से कयामत तक' रिलीज होने वाली थी और वह खुद ही उन दिनों ऑटो रिक्शा के पीछे पोस्टर चिपकाते दिखते, 'हू इज आमिर खान? आस्क द गर्ल नेक्स्ट डोर...' आमिर खान के पिता ताहिर हुसैन के भाई नासिर हुसैन हिंदी सिनेमा के कामयाब फिल्म निर्माता, निर्देशक रहे हैं। फिल्म 'कयामत से कयामत तक' के निर्देशक मंसूर खान इन्हीं के बेटे हैं। मंसूर खान ने पहले आईआईटी की पढ़ाई बीच में छोड़ी और फिर अमेरिका से भी बीच सत्र ही पढ़ाई अधूरी छोड़ बंबई लौट आए। नासिर हुसैन के पास तब एक कहानी थी, जिसे उन्होंने एक दिन मंसूर खान को बुलाकर इस पर फिल्म बनाने की जिम्मेदारी सौंप दी। मंसूर खान ने अपने चचेरे भाई आमिर खान को फिल्म के हीरो के तौर पर लिया और फिल्म शुरू कर दी। आमिर खान की पहली पत्नी रीना दत्ता ने इस फिल्म की शूटिंग के दौरान बहुत मेहनत की। फिल्म के सुपरहिट गाने 'पापा कहते हैं' में वह जरा देर के लिए दिखती भी हैं। पर तब आमिर खान को इस बात की सख्त मनाही थी कि वह रिलीज से पहले किसी को अपनी शादी के बारे में कतई नहीं बताएंगे। मंसूर खान को फिल्म 'कयामत से कयामत तक' के लिए उनके पिता ने अपनी टीम के संगीतकार आर डी बर्मन और गीतकार मजरूह सुल्तानपुरी की जोड़ी दी। लेकिन मंसूर खान की आर डी बर्मन से जमी नहीं। मशहूर संगीतकार चित्रगुप्त के बेटे उन दिनों आनंद-मिलिंद कुछ फिल्मों में संगीत दे चुके थे। मंसूर को दोनों का काम पसंद आया और उन्होंने दोनों को एक ऐसी धुन बनाने का जिम्मा सौंपा जिस पर जवानी झूम उठे। आनंद मिलिंद इस मामले में खरे साबित हुए और उन्होंने जो धुन बनाई उस पर मजरूह सुल्तानपुरी ने गाना लिखा, 'पापा कहते हैं'। फिल्म के सबसे ज्यादा मशहूर हुए इस गाने में पापा शब्द मंसूर को पसंद नहीं था लेकिन अपने पिता की बात उन्होंने मानी और ये लाइन ऐसे ही रहने दी। इसके बाद जो हुआ सब जानते हैं और साल 2024 में भी इस गाने की दमक बरकरार है। 70 साल के हो रहे थे मजरूह सुल्तानपुरी उन दिनों जब उन्होंने ये गाना लिखा। उन्होंने मंसूर के मंसूबे भांप लिए थे और मजरूर सुल्तानपुरी की तमाम खासियतों में ये बात खासतौर से शामिल रही है कि उनके गाने हमेशा वक्त के साथ कदमताल करते रहे। देव आनंद की फिल्म 'तीन देवियां' के लिए साल 1965 में 'ऐसे तो ना देखो..' लिखने वाले मजरूह सुल्तानपुरी ने 29 अप्रैल 1988 को रिलीज हुई फिल्म 'कयामत से कयामत तक' के लिए लिखा 'गजब का है दिन देखो जरा..!'

# दीपिका को मिली कल्कि 2898 एडी के प्रमोशन की जिम्मेदारी? प्रेग्नेंसी में कैसे करेंगी प्रचार?

इस साल की बहुप्रतिक्षित फिल्म कल्कि 2898 एडी अब रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म निर्मात इसकी रिलीज की तारीख की भी घोषणा कर चुके हैं। फिल्म 27 जून, 2024 को रिलीज होगी। इस एलान के बाद से फिल्म से जुड़े लोगों के साथ-साथ दर्शकों का उत्साह भी चरम पर है। अब जैसे-जैसे 27 तारीख पास आती जाएगी, वैसे-वैसे फिल्म का प्रचार जोर पकड़ता जाएगा।

**दीपिका करेंगी फिल्म का प्रचार!**

कल्कि 2898 एडी के प्रमोशन को लेकर इस तरह की अफवाह फैल रही है कि दीपिका पादुकोण भी फिल्म का प्रचार करेंगी। फिल्म निर्माताओं ने उन्हें प्रचार के लिए कुछ दिन सौंपे हैं। चर्चा इस बात की भी है कि फिल्म निर्माताओं ने कल्कि 2898 एडी के हिंदी संस्करण के प्रचार के लिए अलग से योजना बनाई है। इसके लिए मुंबई में प्रचार किया जाएगा, जो जल्द ही शुरू होने वाला है।

**प्रेग्नेंसी में इस तरह करेंगी प्रचार!**

सभी जानते हैं कि अभिनेत्री दीपिका पादुकोण प्रेग्नेंट हैं। उन्होंने अपने पति रणवीर सिंह के साथ सोशल मीडिया हैंडल पर इस बात की जानकारी दी थी। वह सितंबर 2024 में मां बनेंगी। ऐसे में सवाल उठता है कि अगर उन्हें फिल्म के प्रमोशन की जिम्मेदारी दी गई है तो यह कैसे संभव होगा। दरअसल, अफवाह इस बात की भी उड़ रही है कि दीपिका पादुकोण कल्कि के प्रचार के लिए यात्राएं नहीं करेंगी। घूम-घूमकर प्रचार करने के बजाय वह फिल्म से जुड़े लोगों को ही साक्षात्कार देंगी।

**अमिताभ बचन और कमल हासन भी आएंगे नजर**

कल्कि 2898 एडी में प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बचन और कमल हासन मुख्य किरदार निभा रहे हैं। इसका निर्देशन नाग अश्विन ने किया हैं। फिल्म का निर्माण वैजयंती मूवीज द्वारा किया गया है।

# ऑपरेशन के बाद सौम्या टंडन को मिली अस्पताल से छुट्टी, हाथ में ड्रिप लगी हुई साझा की थी तस्वीर

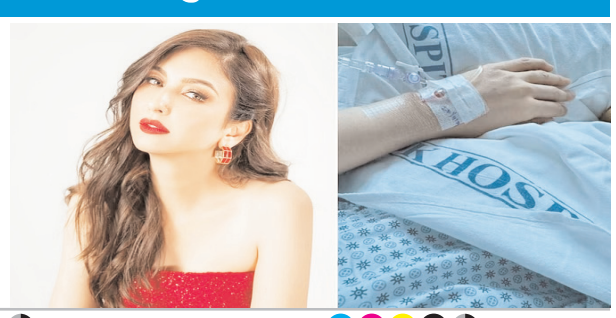

भाबीजी घर पर हैं फेम गोरी मेम उर्फ सौम्या टंडन को इस सीरियल से घर-घर में खास पहचान मिली। हाल ही में अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया, जिसे देखकर उनके फैंस को उनकी चिंता होने लगी। सौम्या ने बताया कि वह अस्पताल में भर्ती हैं और उनका इलाज चल रहा है। हालांकि उन्होंने ये नहीं बताया कि वे किस कारण अस्पताल में भर्ती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनका एक छोटा सा ऑपरेशन हुआ था और अब उन्हें डिस्चार्ज भी कर दिया गया है।

सौम्या टंडन एक छोटा सा ऑपरेशन हुआ है, जिसके चलते वे अस्पताल में भर्ती हुई थीं। उन्होंने बताया कि उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। अभिनेत्री ने कहा, सब कुछ ठीक रहा और मुझे उम्मीद है कि मैं जल्द ही ठीक हो जाऊंगी। मुझे रिकवर होने में अभी एक सप्ताह लगेगा। इसके साथ ही उन्होंने अपने फैंस और दोस्तों को उनकी चिंता करने के लिए धन्यवाद भी कहा।

सहारनपुर में पुलिस टीम ने चलाई चेकिंग

## चेकिंग के दौरान एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर भेजा जेल

**गौरव सिंघल। सिटी चीफ** सहारनपुर, एसएसपी सहारनपुर डा.विपिन ताडा के निर्देशन में कोतवाली नगर पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान एक शातिर वाहन चोर हिमांशु पुत्र सोमदत्त निवासी न्यू लक्ष्मीपुरम कालोनी थाना सदर बाजार को एक सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल रजिस्ट्रेशन न. uk08ag 5131के साथ गिरफ्तार किया है। उक्त अभियुक्त को कानूनी प्रक्रिया अपनाते हुए जेल भेज दिया गया है।

## डीएम ने किया निर्माणाधीन मां शाकुंभरी विश्वविद्यालय का निरीक्षण

### प्रथम चरण का कार्य लगभग मिला पूर्ण, विश्वविद्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार को 15 दिन में पूर्ण करने के दिए निर्देश

**गौरव सिंघल । सिटी चीफ** सहारनपुर, जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र ने निर्माणाधीन मां शाकुंभरी देवी विश्वविद्यालय का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि विश्वविद्यालय का अकैडमिक, एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक, वीसी आवास, ब्वॉयज एवं गर्ल्स हॉस्टल सहित प्रथम चरण में होने वाले सभी कार्य लगभग पूर्ण हो गए हैं। बचे हुए कार्यों को गुणवत्तापरक एवं शीघ्रता से करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान देखा कि विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार का कार्य प्रगति पर है। जिस पर जिलाधिकारी ने 15 दिन में गेट

के कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए। डीएम डॉ0 दिनेश चन्द्र ने विश्वविद्यालय परिसर में अधिक से अधिक पौधरोपण करने के निर्देश दिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के वातावरण को और सुंदर एवं स्वस्थ बनाने के लिए सौंदर्यीकरण करने के लिए कहा।

डीएम ने बताया कि विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र का संचालन निरंतर किया जा रहा है। जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र ने कहा कि शासन के उच्च निर्देशों के क्रम में विगत कुछ माह में विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य तेजी से हुआ है। प्रदेश के जिलों के अलावा हिमाचल, उत्तराखंड, हरियाणा, एवं आस पास के क्षेत्रों के छात्रों को पढ़ाई में इससे बहुत सुविधा मिलेगी इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन सहित कार्यदायी संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

# सहारनपुर जिले में गन्ना पेराई सत्र समाप्त हुआ

### चीनी मिलों पर 241 करोड़ बकाया, जिसमें 147 अकेले बजाज पर

**गौरव सिंघल। सिटी चीफ** सहारनपुर, सहारनपुर जिले में मौजूदा गन्ना पेराई सत्र समाप्त हो गया। सभी आठ चीनी मिलें बंद हो गई हैं। जिला गन्नाधिकारी सुशील कुमार ने आज बताया कि जिले की चीनी मिलों पर 241 करोड़ रूपए का बकाया हैं जिसमें से 147 करोड़ रूपए अकेले बजाज शुगर मिल पर हैं। देवबंद की त्रिवेणी चीनी मिल 15 अप्रैल तक के गन्ने का पूरा भुगतान कर चुकी है। जिले की आठों चीनी मिलों ने नवंबर 2023 में गन्ना पेराई शुरू की थी। टोडरपुर और बिड़वी चीनी मिल गन्ना उपलब्ध ना होने के कारण फरवरी माह में ही बंद हो गई थी। पांच चीनी मिल मार्च-अप्रैल में बंद हुई। बजाज चीनी मिल पर 147.5 करोड़ रूपए बकाया है। यह चीनी मिल अभी

तक 42.64 फीसद ही भुगतान कर पाई है। उत्तम चीनी मिल पर 7 करोड़, गागलहेड़ी चीनी मिल पर 42 करोड़, टोडरपुर चीनी मिल पर 22 करोड़, बिड़वी चीनी मिल पर 10 करोड़, नानोता सहकारी चीनी मिल करीब 13 करोड़ और सरसावा चीनी मिल पर 2.57 करोड़ बकाया है। यानि सहारनपुर जिले में देवबंद अकेली चीनी मिल है जिस पर गन्ना मूल्य का बकाया नहीं है। देवबंद के पिछले दो पेराई सत्र भी ऐसे ही रहे थे। जब शत-प्रतिशत भुगतान किया गया। देवबंद सहारनपुर की अकेली चीनी मिल है जो सबसे लंबे समय तक चली।

यूपी, सहारनपुर डीआरएम मंदीप भाटिया ने कहा

# सहारनपुर रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत योजना के तहत हो रहे काम की होगी जांच

**गौरव सिंघल। सिटी चीफ सहारनपुर,** सहारनपुर रेलवे स्टेशन जो ए श्रेणी में शामिल है। वहां अमृत भारत योजना के तहत 15 करोड़ की लागत से सौंदर्यीकरण का कार्य हो रहा है। निर्माणकारियों की गति बेहद ही सुस्त है। डीआरएम मंदीप सिंह भाटिया ने आज बताया कि 31 मार्च तक काम पूरा होना था। कार्यदायी संस्था ने फिर 10 अप्रैल तक का समय मांगा। लेकिन यह महीना भी पूरा हो रहा है और काम अभी पूरा नहीं हो पाया है।

डीआरएम मंदीप भाटिया से लोगों ने यह शिकायत की कि प्लेटफार्मों पर लगाई गई टाईल्स स्थान-स्थान पर टूट गई अथवा उखड़ भी गई हैं। निर्माणकार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। डीआरएम ने आज कहा कि वह निर्माण कार्यों की जांच

कराएंगे और दोषी पाए जाने पर कार्यदायी संस्था के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। ध्यान रहे सहारनपुर रेलवे स्टेशन बहुत महत्वपूर्ण है। यहां रोजना 153 ट्रेनों की आवाजाही होती है। रेल मंत्री अश्विनी वेष्णव ने पिछले दो-तीन सालों के दौरान सहारनपुर, देवबंद और यहां के दूसरे रेलवे स्टेशन और यात्रियों के लिए सुविधाएं बढ़ाने पर खास ध्यान दिया गया है। लेकिन देखने में यह आया है कि निर्माण कार्यों और सौंदर्यीकरण के काम गुणवत्तापरक नहीं है। हालांकि डीआरएम अंबाला मंडल और डीआरएम दिल्ली मंडल कई बार मुआयना कर चुके हैं। रेल मंत्री अश्विनी वेष्णव भी कई बार निरीक्षण कर जा चुके हैं। लेकिन ना तो यात्रियों की सुविधाएं बढ़ पाई है और ना ही निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में ही सुधार हो पाया हैं।

शंभू बार्डर रेल लाइन पर किसानों के धरने से आज 12 वें दिन भी ट्रेनों का संचालन हुआ प्रभावित

# यात्री परेशान, 36 लाख के राजस्व का हुआ नुकसान

**गौरव सिंघल । सिटी चीफ** सहारनपुर, पंजाब की ओर से आज रविवार 12 वें दिन भी ट्रेनों का संचालन पूरी तरह से प्रभावित रहा। ध्यान रहे 17 अप्रैल से शंभू बार्डर रेलवे लाइन पर 12 दिनों से किसान धरने पर बैठे है। ट्रेनों का संचालन गडबडाने से सहारनपुर को 36 लाख के राजस्व का नुकसान हुआ है और दो सौ से ज्यादा यात्री प्रतिदिन अपना आरक्षित टिकट रद्द करा रहे है। सहारनपुर के स्टेशन अधीक्षक अनिल त्यागी और देवबंद के स्टेशन अधीक्षक अनिल कुमार ने बताया कि शालीमार और जालंधर

नई दिल्ली सुपर फास्ट समेत पांच ट्रेनों का संचालन रद्द रहा। जिससे यात्रियों को भारी दिक्कते हो रही है। कुछ गाडिए अंबाला तक चली। कम से कम आधा दर्जन ट्रेने काफी देर से चली।

# जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर आईएएस उत्सव आनंद लबसना के लिए रवाना

### कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सागर में भव्य कार्यक्रम आयोजित कर दी गई विदाई

**गौरव सिंघल। सिटी चीफ** सहारनपुर, कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में भव्य कार्यक्रम आयोजित कर प्रशिक्षु आईएएस व ज्वाइंट मजिस्ट्रेट श्री उत्सव आनंद को विदाई दी गई। 2022 बैच के आईएएस श्री उत्सव आनंद जनपद में लगभग 11 महीने से जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे थे। यहां पर उनका प्रशिक्षण पूर्ण हो गया है। अब वह आगे की ट्रेनिंग के लिए मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री नेशनल एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन जाएंगे। जिलाधिकारी दिनेश चंद्र ने कहा कि उत्सव आनंद एक अच्छे नागरिक होने के साथ साथ अच्छे व्यक्तित्व के धनी भी हैं। उनके अंदर जो क्षमताएं हैं मुझे आशा है उनके माध्यम से वो एक अच्छे प्रशासनिक अधिकारी बनकर देश

की सेवा करेंगे। उन्होंने मेरे अधीन जो प्रशिक्षण प्राप्त किया है उस दौरान उनके व्यक्तित्व में मानवीय मूल्यों का समावेश करने का प्रयास किया है जिससे वह एक अच्छे प्रशासनिक अधिकारी के रूप में भविष्य में जाने जाएं। डीएम ने उनके सीखने की ललक की सराहना करते हुए उनको भविष्य में लगातार प्रगति करने के साथ उज्जवल भविष्य के लिए भी शुभकामनाएं दी। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट उत्सव आनंद ने कहा कि वह सौभाग्यशाली है कि उन्हें जिलाधिकारी डॉक्टर दिनेश चंद्र के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त हुआ है। जनपद के समस्त अधिकारियों से उनको एक परिवार के सदस्य की तरह सहयोग मिला। यहां के लोगों का स्नेह वह कभी नहीं भूल पायेंगे। अंत में जनपद के सभी अधिकारियों द्वारा उन्हें स्मृति चिन्ह देकर विदाई दी गई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉक्टर अर्चना द्विवेदी, अपर जिला अधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र सहित जनपद के समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

## देवबंद के इंदरपुर गांव स्थित प्राइमरी स्कूल पर सेना में प्रयोग होने वाले गोले से हुआ था धमाका

### पुलिस, एटीएस और एसटीएफ मामले की जांच कर रही है

**गौरव सिंघल। सिटी चीफ** सहारनपुर । देवबंद, उच्च स्तरीय जांच में पाया गया कि 25 अप्रैल की शाम छह बजे देवबंद कोतवाली के इंदरपुर गांव स्थित प्राइमरी स्कूल पर धमाका सैनिक गोले से हुआ था। एसपी देहात सागर जैन ने बताया कि रूडकी फायरिंग रेंज के सैनिक अधिकारियों ने विस्फोट हुए गोले को सेना में इस्तेमाल होने वाला बताया लेकिन यह बम यहां कैसे पहुंचा यह बात सामने नहीं आई है। इस मामले की जांच में पुलिस, एटीएस और एसटीएफ लगी थी। धमाके से स्कूल की दीवार क्षतिग्रस्त हुई थी और बम के अवशेष वहां से डेढ किलोमीटर दूर जंगल में पाए गए थे।

# मुख्यमंत्री ने भरे बुजुर्गों के आयुष्मान आयुष्मान योजना के संकल्प पत्र

**भोपाल।** भाजपा ने हाल ही में लोकसभा चुनाव 2024 के लिए अपना घोषणा-पत्र (संकल्प पत्र) जारी किया है, जिसमें 70 वर्ष से अधिक उम्र वाले सभी बुजुर्गों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ दिलाने का वादा किया गया है। इस योजना की शुरुआत रविवार को सीएम डॉ. मोहन यादव ने भोपाल के शास्त्री नगर हितग्राहियों के घर पहुंचकर की। सीएम ने खुद बुजुर्गों के आयुष्मान योजना के संकल्प पत्र भरवाया। बुजुर्ग हितग्राहियों फार्म भरवाने के बाद सीएम ने कहा कि 70 साल से ज्यादा नागरिक वे चाहे किसी भी जाति के हों, किसी भी वर्ग से हों। सभी बुजुर्गों को आयुष्मान योजना का लाभ मिलेगा। पीएम मोदी ने जो गारंटी दी है उसके संकल्प पत्र यानी फॉर्म भरवाने की आज शुरुआत हो रही है। सब मिलकर ये अभियान चला रहे हैं। लाखों बुजुर्गों को इस योजना का लाभ मिलेगा। सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हम बुजुर्गों के यह फॉर्म भरवाकर मोदी जी की गारंटी का हिस्सा बनेंगे। हमारी सरकार ने इसमें एयर एंबुलेंस की भी सुविधा दी है। बीमारी में मदद देना राम बाण है। दुनिया में ऐसा कोई देश नहीं हुआ जिसने यह सुविधा दी है। सीएम ने चुनाव के अगले 2 चरणों में 29 पार के संकल्प को पूरा करने की अपील की। सीएम ने सभी से ज्यादा से ज्यादा वोट करने की अपील की। सीएम ने कहा- मध्यप्रदेश डबल इंजन की सरकार में तेजी से बढ़ेगा। मुख्यमंत्री भोपाल के शास्त्री नगर में 80 वर्षीय भंवरलाल पुरोहित, 74 वर्षीय भवरीबाई पुरोहित, 82 वर्षीय पंकजा पी नायर और 82 वर्षीय मालती गुप्ता के निवास पहुंचकर आयुष्मान लाभ विस्तार अभियान के तहत फार्म भरवाए। इस अवसर पर लोकसभा चुनाव के प्रदेश सह प्रभारी सतीश उपाध्याय, अभियान की प्रदेश संयोजक सीमा सिंह जादौन, भाजपा के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल, जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने गुना लोकसभा क्षेत्र के बमोरी में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के लिए प्रचार किया। उन्होंने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि चिंता मत कीजिए। हम एक भी योजना बंद नहीं करेंगे। लाड़ली बहना योजना के तहत आपको पैसा मिलता रहेगा। चुनाव खत्म होने के बाद योजना में छूटे लोगों के नाम जोड़े जाएंगे। सीएम ने कहा कि 20 साल पहले इस क्षेत्र में डकैतों की बड़ी समस्या थी।

### पोलायकलां में सीएम ने भाजपा प्रत्याशी श्री सोलंकी के समर्थन मे किया सभा को

# पहले सीमाओं पर जवानों का अपमान होता था, अब घर में घुसकर मारते हैं - सीएम

**भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ**

शाजापुर, पहले अमेरिका और इजरायल दो ऐसे देश थे जो दुश्मन को घर में घुसकर मारते थे। पहले सीमाओं पर जवानों का अपमान होता था और पड़ोसी देश सैनिकों के सिर काटकर ले जाते थे, लेकिन यह आपके एक वोट की ताकत है कि भारत तीसरा देश बन चुका है जो दुश्मन को उसके घर में घुसकर मारता है।

यह बात प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव ने जिले के पोलायकलां में भाजपा प्रत्याशी महेंद्रसिंह सोलंकी के पक्ष में आमसभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि पहले देश में विस्फोट होते थे लेकिन आपने मोदी जी को पहली बार वोट दिया और उन्होंने सीमा पर सैनिकों का सम्मान बढ़ाने के लिए पाकिस्तान के घर में घुसकर मारा और भारत की ताकत का अहसास कराया। पहले दो देश अमेरिका और इजरायल ही दुश्मनों के घरों में घुसकर मारते थे लेकिन अब भारत तीसरा देश बन गया। दूसरी बार मोदी को वोट दिया तो अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर बन गया। इस देश को राम जी के नाम से जाना जाता है। सबको पता है भगवान राम अयोध्या में पैदा हुए थे लेकिन कांग्रेस के लोगों को नहीं पता कि भगवान राम कहां पैदा हुए। राम का

अस्तित्व क्या है। कांग्रेस ने रामसेतु को तोड़ने के लिए योजना बना ली लेकिन विरोध के चलते वे तोड़ नहीं पाएं। अयोध्या में राम मंदिर बनने के बाद आज तक सोनिया, राहुल और प्रियंका मंदिर के दर्शन के लिए भी नहीं गए। तीसरी बार मोदी को वोट दोगे तो अब मथुरा मे कृष्ण की जय जयकार होंगी

**लोकसभा क्षेत्र मे किये 25 हजार करोड के विकास कार्य -सोलंकी**

सभा को संबोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी श्री महेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने धारा 370 हटाई,ट्रिपल तलाक के लिए कानून लाए कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक राम राज्य की स्थापना की। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी भारत को विकसित भारत बनाना चाहते हैं और उनका मानना है कि देश में सिर्फ चार ही जातियां हैं युवा,महिला गरीब और अन्नदाता और इन चारों के समग्र विकास से ही भारत को विकसित राष्ट्र बनाया जा सकता है। श्री सोलंकी ने बताया कि शाजापुर देवास लोकसभा क्षेत्र में 25 हजार करोड़ से भी अधिक के विकास कार्य हुवे हैं। और डबल इंजन की सरकार मिलकर शाजापुर देवास लोकसभा क्षेत्र में और तेज गति से विकास के कार्य करेंगी । श्री सोलंकी ने सभी उपस्थित जन समुदाय तक मोदी जी की राम-राम भी पहुंचाई।

**संघ के वरिष्ठ प्रचारक के परिजनो से मिलने पहुंचे सीएम**

सभा के बाद मुख्यमंत्री संघ के वरिष्ठ प्रचारक रहे स्व. शालिग्राम जी तोमर के निवास पर पहुंचे उनके परिजनों से मुलाकात की एवं शालिग्राम तोमर की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। यहां उन्होंने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि शालिग्राम तोमर उनके गुरु थे। संघ और विद्यार्थी परिषद में उनके नेतृत्व में उन्होंने कई काम किए हैं। यह मेरा सौभाग्य है कि आज मुझे यहां उनके निवास पर आने का सौभाग्य मिला।

**ये रहे उपस्थित -**

कार्यक्रम में मेला प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष माखनसिंह चौहान, लोकसभा प्रभारी जगदीश अग्रवाल, क्षेत्रीय सांसद एवं भाजपा प्रत्याशी महेंद्रसिंह सोलंकी, लोकसभा संयोजक बहादुरसिंह मुकाती, भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक नायक, विधायक घनश्याम चंद्रवंशी, गोपालसिंह इंजीनियर, भाजपा जिला महामंत्री विजयसिंह बैंस,जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिसोदिया, राजेश यादव, श्रीमती प्रभा उपाध्याय, श्रीमती वीणा माहेश्वरी, श्रीमती बबीता परमार,अशोक कविश्वर, जय प्रकाश अग्रवाल,सहित आदि नेता मंचासीन थे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री दिनेश शर्मा ने किया तथा आभार विधानसभा संयोजक अशोक कवीश्वर ने माना।

# 07 बजे ही बच्चों से मंदिरजी प्रांगण हुआ फुल

## बच्चों में दिखा अति उत्साह

**इन्दौर,** अध्यात्मिक संस्कार, जीवन जीने की कला व संसारिक जीवन जीने का महत्व जानने के लिये प्रात: 06:30 से मंदिरजी में बच्चों का आना शुरु हो गया था। बच्चों में संस्कार के बिजारोपण हेतु उन्हें लौकिक शिक्षा के साथ धर्म एवं संस्कृति शिक्षा के उद्देश्य से साधना नगर एरोड्रम रोड़ स्थित पंचबालयति जिनालय पर प्रतिवर्ष अनुसार इस 24वें वर्ष भी ग्रीष्मकालीन सात दिवसीय जैनत्व बाल संस्कार शिक्षण शिविर महाकुंभ के रूप मे 27 अप्रैल 2024 से प्रारंभ हो चुका है। जिसमें 6 वर्ष से 20 वर्ष तक के 500 से अधिक बच्चों ने भाग लिया जिनको विभिन्न कक्षाओं के माध्यम से शिक्षा के साथ साथ सदाचार, अनुशासन एवं कर्तव्यता पूर्ण शिक्षा दी जा रही है। बच्चों को संस्कारित करने हेतु देश के विभिन्न प्रदेशो एवं शहरो से शास्त्री परीक्षा पास 16 विद्वान एवं अन्य

स्थानीय विद्वान प्रशिक्षण दे रहे है।

कार्यक्रम के प्रमुख संयोजक एवं ट्रस्ट के अध्यक्ष विजय बड़जात्या एवं पं. तेजकुमार गंगवाल के साथ महामंत्री सुशील काला ने जानकारी देते हुए बताया कि सुबह 06:30 बजे से दोपहर 11:45 तक चलने वाले इस शिक्षण शिविर में प्रवेश प्राप्त सभी बच्चों को नि:शुल्क एक किट, धार्मिक पुस्तक के साथ सुबह दूध, चाय नाश्ता एवं दोपहर का भोजन भी नि:शुल्क प्रदान किया जाता है। शिविर का शुभारम्भ साधर्मी श्री विमलचंद्रजी काला परिवार द्वारा झंडारोहण, श्री अर्पितजी-रश्मिजी जैन द्वारा शिविर उद्घाटन, शिविर आमंत्रणकर्ता के रुप में समाज श्रेष्ठी श्री चंद्रप्रकाशजी गंगवाल परिवार द्वारा किया गया।

सभी बच्चों को दी जाने वाली नि:शुल्क धार्मिक पुस्तके एवं स्टेशनरी आदि डॉ. कमल पंचोली द्वारा प्रदान की गयी। शिविर में दूरदराज कॉलोनियों में से आने वाले बच्चे हेतु विभिन्न बसों की व्यवस्था आई.पी.एस. एकेडमी, श्री राहुलजी सेठी परिवार द्वारा नि:शुल्क की गई है। बच्चों को संस्कारित करने हेतू पं. रितेश शास्त्री सनावद, पं. अशोक मांगुलकर राघौगढ व अन्य विद्वतगणो में पं. सौरभजी शास्त्री, पं. गौरवजी शास्त्री सहित अनेक स्थानीय विद्वानों की विशेष कक्षा का आयोजन हो रहा है। इसी के साथ बड़ो के लिये प्रोढ कक्षा श्री ब्र. निखिलजी शास्त्री मुर्म् एवं पं. सौरभजी शास्त्री द्वारा ली जा रही है। यह शिविर पूर्णत: नि:शुल्क हो कर श्री दि. जैन कुन्दकुन्द परमागम ट्रस्ट द्वारा साधर्मीयों के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम की विभिन्न व्यवस्थाओं को सम्पन्न करने हेतु अखिल भारतीय दि. जैन युवा फेडरेशन के सुनील जैन, मनीष जैन, रितेश जैन, रुपेश जैन के अलावा अन्य सदस्य व मुमुक्षु महिला मंडल साधना नगर, यंग जैन प्रोफेशनल के सदस्यों द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान किया जा रहा है। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जीनियस का भी पूर्ण सहयोग प्राप्त हो रहा है।

# कम मतदान प्रतिशत ने भाजपा और चुनाव आयोग दोनों ही सकते में

**भोपाल।** लोकसभा चुनाव के अब तक के दो चरणों में हुए कम मतदान ने भाजपा के माथे पर शिकन बढ़ाना शुरू कर दिया है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह की सख्त हिदायतों के बाद नेता पसोपेश में हैं। लाख कोशिशों के बाद मतदान जागरूकता न ला पाने से आयोग भी सकते में है। कोशिशों में जुटी भाजपा ने अब कम मतदान का ठीकरा आयोग के सिर फोड़ते हुए शिकायत कर डाली है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने खजुराहो में हुए कम मतदान को लेकर चुनाव आयोग को घेरे में लिया है। उन्होंने मशीनों की खराबी का हवाला देते हुए धीमी मतदान प्रक्रिया से हुए नुकसान का जिक्र किया है। शिकायत में वीडी शर्मा ने कहा है कि खजुराहो लोकसभा में युवाओं को वोटिंग का मौका ही नहीं मिल पाया, जिसके चलते करीब पांच

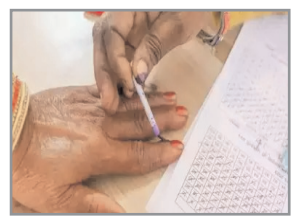

प्रतिशत युवा वोटर बिना मतदान किए बूथों से वापस लौट गए।

**शाह की सख्ती से सकते में विधायक-** केंद्रीय मंत्री अमित शाह की सख्त हिदायत के बाद प्रदेश के मंत्री और भाजपा विधायक सकते में दिखाई दे रहे हैं। भाजपा नेताओं की ढिलाई के बाद बने हालात को तुरंत सहेजना उनके लिए मुश्किल टास्क नजर आ रहा है। लोकसभा चुनाव के बाद मंत्रियों और विधायकों का रिपोर्ट कार्ड तैयार होने की चेतावनी ने इन नेताओं की नींद उड़ा दी है।

**आयोग की नजर अगले चरण पर-** मतदान में जागरूकता लाने के लिए चुनाव आयोग भी पिछले कई दिनों से प्रयासों में जुटा हुआ है। मतदान में सुविधाएं, मतदान के बदले आकर्षक ऑफर और लोगों को उनके कर्तव्यबोध के बाद भी लगातार दो चरणों में वोटिंग परसेंटेज न बढ़ पाना आयोग के लिए चिंता का विषय बनता जा रहा है। इस स्थिति के चलते उसने अब 7 मई को होने वाले अगले चरण के लिए पूरी ताकत झोंक दी है।

**क्यों गिरा मतदान का प्रतिशत-** सियासी समीक्षकों के मुताबिक मतदान प्रतिशत गिरना सत्तारूढ़ दल के खिलाफ जाने वाला फैसला होता है लेकिन इसके तात्कालिक कारणों में गर्मी की अधिकता, शादी-ब्याह का सीजन और दोनों चरणों का मतदान शुक्रवार के दिन होना माना जा रहा है।

# तीसरे चरण की नौ सीटों में भाजपा को राजगढ़-मुरैना में टक्कर

## - गुना सीट सेफ, शिवराज लीड बढ़ाने लगा रहे जोर

**भोपाल।** मध्यप्रदेश में तीसरे चरण में 7 मई को भोपाल, विदिशा, राजगढ़, बैतूल, सागर, गुना, ग्वालियर, मुरैना और अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित भिंड सीट पर मतदान होगा। इन सीटों पर महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दे मोदी के चेहरे, राममंदिर और हिंदुत्व के सामने दब गए हैं। कुछ सीटों पर लंबे समय से भाजपा का कब्जा है, जहां उसकी राह आसान दिख रही है। वहीं, टक्कर वाली सीटों पर राजनीतिक पार्टियां जातिगत फैक्टर के साथ ही वोटरों को साधने हर कोशिश में जुटी हुई हैं। इन सीटों पर दो पूर्व मुख्यमंत्री और एक केंद्रीय मंत्री की साख भी दांव पर लगी है।

### राजगढ़ में कांटे की टक्कर

राजगढ़ सीट पर भाजपा ने दो बार के सांसद रोडमल नागर को प्रत्याशी बनाया है। वहीं, कांग्रेस की तरफ से पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह चुनाव लड़ रहे हैं। राजगढ़ सीट दिग्विजय सिंह का गढ़ है। रोडमल नागर के खिलाफ जनता में नाराजगी है। ऐसे में भाजपा ने अपनी रणनीति बदलते हुए यहां पर मोदी के चेहरे के साथ राममंदिर, हिंदुत्व के मुद्दे को आगे कर दिया है। दिग्विजय सिंह ने भी पूरा जोर लगा दिया है। वह राजगढ़ से दो बार सांसद रह चुके हैं। वे अपना आखिरी चुनाव बता इमोशनल कार्ड खेल रहे हैं। 77 साल की उम्र में पदयात्रा निकालकर अपने संपर्क को सक्रिय किया। यहां मुकाबला कांटे की टक्कर वाला हो गया है। 2004 से यह सीट भाजपा के पास है। 2019 में रोडमल नागर 4,31 लाख वोट से जीते थे।

**विधानसभा सीटें-** राजगढ़ सीट पर आठ विधानसभा सीटें हैं। जिनमें से 6 भाजपा और दो कांग्रेस के पास हैं।

### विदिशा में मार्जिन बढ़ाने का जोर

विदिशा सीट पर भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री और पांच बार सांसद रहे शिवराज सिंह चौहान को मैदान में उतारा है। वहीं, कांग्रेस ने पूर्व सांसद भानु प्रताप शर्मा को टिकट दिया है। यहां मोदी के साथ ही राममंदिर भी मुद्दा है। यह सीट भाजपा का गढ़ है। इसके बावजूद शिवराज सिंह लगातार गांव-गांव में घूम कर प्रचार कर रहे हैं। दूसरी तरफ कांग्रेस प्रत्याशी भानु प्रताप शर्मा लंबे समय से सक्रिय नहीं हैं। वहीं, कई कांग्रेस के सक्रिय नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ले ली। इसने भी कांग्रेस प्रत्याशी की चुनौती बढ़ा दी। यहां पर शिवराज आगे दिख रहे हैं। यह सीट 1989 से भाजपा के पास है। 2019 में रमाकांत भार्गव 5.3 लाख वोटों से चुनाव जीते थे।

**विधानसभा सीटें-** विदिशा सीट पर 8 विधानसभा सीटें हैं। जिनमें से 7 भाजपा और एक सिलवानी कांग्रेस के पास है।

### भिंड में कांग्रेस एंटी इंकम्बेंसी के भरोसे

अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित भिंड लोकसभा सीट पर भाजपा ने सांसद संध्या राय को प्रत्याशी बनाया है। वहीं, कांग्रेस ने विधायक फूल सिंह बरैया को मैदान में उतारा है। भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ जनता में नाराजगी है। वहीं, फूल सिंह बरैया की दलित वोटरों में अच्छी पकड़ है। इसी सीट पर 30 प्रतिशत से ज्यादा दलित और आदिवासी वोटर हैं। यहां पर केंद्र की पीएम आवास समेत अन्य योजनाओं के चलते मोदी को लोग पसंद कर रहे हैं। फूल सिंह बरैया दमदार चेहरा होने से चुनाव में बने हुए हैं। इस सीट पर 1989 से भाजपा का कब्जा है। 2019 का चुनाव 1,99 लाख वोट से भाजपा ने जीता था।

विधानसभा सीटें- भिंड सीट पर 8 विधानसभा सीटें हैं। जिनमें से चार भाजपा और चार कांग्रेस के पास है।

### गुना में भाजपा की स्थिति सेफ

गुना-शिवपुरी संसदीय सीट पर भाजपा ने सांसद केपी यादव का टिकट काट कर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को प्रत्याशी बनाया है। वहीं, कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के पहले भाजपा छोड़कर पार्टी में शामिल होने वाले यादवेंद्र यादव को टिकट दिया है। इस सीट पर सिंधिया परिवार का प्रभाव है। 2019 में कांग्रेस के टिकट पर ज्योतिरादित्य सिंधिया मोदी लहर में चुनाव हार गए थे। यहां कांग्रेस केपी यादव का टिकट काटने से नाराज यादव वोटरों को साधने में लगी है, लेकिन शाह ने एक रैली में गुना को सिंधिया और केपी यादव दो नेता मिलने की बात कहकर समाज की नाराजगी दूर करने का प्रयास किया है। वहीं, मुरैना में पीएम ने ओबीसी आरक्षण खत्म करने की साजिश करने का कांग्रेस पर आरोप लगाकर यादव वोटरों को साधा। यहां मोदी का चेहरा भी बड़ा फैक्टर है। गुना सीट पर अब तक 19 चुनाव में 11 बार सिंधिया परिवार का सदस्य जीता है। 2019 में केपी यादव 1.25 लाख वोटों के अंतर से चुनाव जीते थे।

**विधानसभा सीटें-** गुना सीट पर 8 विधानसभा सीटें हैं। जिनमें से 6 भाजपा और दो कांग्रेस के पास हैं।

### मुरैना में मुकाबला रोचक हुआ

मुरैना संसदीय सीट पर भाजपा ने पूर्व विधायक शिवमंगल सिंह तोमर को प्रत्याशी बनाया है। वहीं, कांग्रेस ने पूर्व विधायक सत्यपाल सिंह सिकरवार नीटू पर दांव लगाया है। सत्यपाल के भाई सतीश सिकरवार विधायक हैं और भाभी शोभा सिकरवार ग्वालियर से मेयर हैं। यहां पर दोनों ठाकुर प्रत्याशियों के चलते वोट दोनों के बीच बंट सकता है। ऐसे में दलित और ब्राह्मण वोटर्स जीत-हार तय कर सकता है। इसको देखते हुए चुनाव से पहले भाजपा ने बसपा से पूर्व विधायक बलवीर सिंह दंडोतिया को भाजपा में शामिल करा लिया है। मुरैना में कांग्रेस के पांच विधायक हैं। हालांकि यहां पर मोदी भी फैक्टर है। ऐसे में मुरैना में भाजपा-कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर है। इस सीट पर 1996 से भाजपा का कब्जा है। 2019 में नरेंद्र सिंह तोमर 1.13 लाख वोट से जीते थे।

विधानसभा सीटें- मुरैना सीट पर 8 विधानसभा सीटें हैं। इनमें से पांच पर कांग्रेस का कब्जा है। वहीं, तीन पर भाजपा विधायक हैं।

### बैतूल सीट पर भाजपा मजबूत

बैतूल सीट आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित है। यहां पर भाजपा ने सांसद दुर्गादास उइके को प्रत्याशी बनाया है। वहीं, कांग्रेस ने पूर्व प्रत्याशी रामू टेकाम को टिकट दिया है। बैतूल में भाजपा का संगठन लगातार काम कर रहा है। इस सीट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी हरदा में रैली कर चुके हैं। हरदा की दोनों विधानसभा सीट पर कांग्रेस का कब्जा है। दूसरी तरफ कांग्रेस का संगठन ही एकजुट नहीं है। जिले के पदाधिकारी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए। इस सीट पर 1996 से भाजपा का कब्जा है। 2019 में भाजपा ने 3,60 लाख वोटों से जीत दर्ज की थी।

विधानसभा सीटें- बैतूल में 8 विधानसभा सीटें हैं। जिनमें से 6 भाजपा और दो कांग्रेस के पास है।

### ग्वालियर में कांग्रेस दे रही टक्कर

ग्वालियर में भाजपा ने सांसद विवेक शेजवलकर का टिकट काटकर ओबीसी से आने वाल भारत सिंह कुशवाह को प्रत्याशी बनाया है। वहीं, कांग्रेस ने प्रवीण पाठक को प्रत्याशी बनाया है। दोनों ही पिछला विधानसभा चुनाव हार गए। ग्वालियर सीट भाजपा का गढ़ है। भाजपा मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ रही है। इसके आगे बेरोजगारी, महंगाई सभी मुद्दे दब गए हैं।

**विधानसभा सीटें-** ग्वालियर में 8 विधानसभा सीटें हैं। इनमें से चार भाजपा और चार कांग्रेस के पास हैं।

### सागर में मोदी की लोकप्रियता भारी

सागर संसदीय सीट पर भाजपा ने राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष लता वानखेड़े को प्रत्याशी बनाया है। वहीं, कांग्रेस ने गुड्डू राजा बुंदेला को टिकट दिया है। आठ माह में प्रधानमंत्री ने सागर का तीसरा दौरा किया और भाजपा प्रत्याशी के लिए रैली की। इस सीट पर हिंदुत्व, राममंदिर और मोदी के चेहरे पर भाजपा वोट मांग रही है। यहां पर भाजपा के सामने कांग्रेस का संगठन बहुत कमजोर है। यह सीट 1996 से भाजपा के पास है। 2019 में भाजपा तीन लाख से ज्यादा वोटों से चुनाव जीती थी।

दुबई में बनेगा दुनिया का सबसे बड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट

# 400 टर्मिनल गेट और 5 रनवे के साथ मिलेगी ये सुविधाएं

**इंटरनेशनल डेस्क** ॰ दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल-मकतूम ने अल मकतूम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे में 128 बिलियन एईडी (34.85 बिलियन) के एक नए यात्री टर्मिनल को मंजूरी दे दी है। उन्होंने रविवार को एक्स पर एक पोस्ट करके इस बारे में जानकारी दी है।

उन्होंने कहा कि आने वाले कुछ सालों में अल मकतूम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा 260 मिलियन यात्रियों की क्षमता के साथ दुनिया में सबसे बड़ा होगा और दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के आकार का पांच गुना होगा। उन्होंने कहा कि दुबई हवाई अड्डे पर सभी परिचालन अल मकतूम में स्थानांतरित कर दिए जाएंगे।

उन्होंने कहा, अल मकतूम हवाई अड्डे में 400 टर्मिनल गेट और पांच रनवे भी शामिल होंगे। दुबई की सरकारी स्वामित्व वाली एयरलाइन एमिरेट्स के अध्यक्ष शेख अहमद बिन सईद अल-मकतूम ने कहा कि यह हवाई अड्डा प्रमुख वाहक एमिरेट्स और उसकी बहन कम लागत वाली एयरलाइन फ्लाईदुबई के साथ-साथ दुनिया को दुबई से जोड़ने वाले सभी एयरलाइन भागीदारों का नया घर होगा। दुबई मीडिया कार्यालय ने दुबई एयरपोर्ट्स के सीईओ पॉल ग्रिफिथ्स के हवाले से कहा, यह कदम विश्व मंच पर अग्रणी विमानन केंद्र के रूप में दुबई की स्थिति को और मजबूत करता है।

# पाकिस्तान की गठबंधन सरकार ने इमरान खान की पार्टी पर साधा निशाना

**इस्लामाबाद:** पाकिस्तान की मौजूदा गठबंधन सरकार के नेताओं ने केवल सेना के साथ बातचीत की मांग करने वाली पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि अगर वह सेना को राजनीति में शामिल करना चाहते हैं तो उन्हें नागरिक अधिकारों की सर्वोच्चता को लेकर शिकायत नहीं करनी चाहिए। दरअसल, इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (क्कञ्जढ्ढ) के वरिष्ठ नेता शहरयार आफरीदी ने गठबंधन सरकार से बातचीत के प्रस्तावों को लेकर शुक्रवार को दावा किया कि पार्टी बातचीत करेगी, लेकिन बिलावल भुट्टो-जरदारी के नेतृत्व वाली पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (क्कक्कक्क) या सत्तारूढ़ पीएमएल-एन के साथ नहीं। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के वरिष्ठ नेता ख्वाजा साद रफीक ने कहा कि 71 वर्षीय खान की क्कञ्जढ्ढ अगर सैन्य नेतृत्व के साथ बातचीत करना चाहती है, तो उसे नागरिक अधिकारों की सर्वोच्चता को लेकर शिकायत नहीं करनी चाहिए। रफीक ने कहा, ''इमरान खान का व्यवहार यही रहा है कि उनका एक हाथ उनकी गर्दन पर और दूसरा उनके पैरों पर होता है। वह बाहर चिल्लाते हैं कि वह स्वतंत्रता के पैरोकार हैं और दरवाजे के पीछे बातचीत की भीख मांगते हैं। उन्होंने कहा कि पीटीआई नेता के इस बयान से उनका रुख पूरी तरह से स्पष्ट हो गया है। पीएमएल-एन नेता ने कहा कि राजनेताओं को आज नहीं तो कल एक-दूसरे से संवाद करना ही होगा। इस बीच, टेलीविजन चैनल जियो न्यूज के एक कार्यक्रम के दौरान, पीएमएल-एन नेता राणा सनाउल्लाह ने कहा कि पीटीआई की सोच राजनीतिक नहीं थी क्योंकि इसका उद्देश्य सेना के माध्यम से सत्ता पर कब्जा करना था।



# पाकिस्तान के सिंध में हिंदू लड़कियों के जबरन धर्मांतरण के विरोध में प्रदर्शन

**पेशावर:** पाकिस्तान के सिंध प्रांत में हिंदू लड़कियों के अपहरण और जबरन धर्मांतरण का तीखा विरोध किया जा रहा है। सिंध प्रांत को अलग देश बनाने की मांग करने वाले संगठन जय सिंध फ्रीडम मूवमेंट (छ्वस्नरू) के चेयरमैन सोहैल अब्रो ने सिंध में हिंदू लड़कियों के जबरन धर्म परिवर्तन और मुस्लिम पुरुषों के साथ शादी कराने की खतरनाक रिवायत का खुलासा किया है। अकसर देश में कट्टरपंथी लोगों के प्रभाव में यह काम किया जाता है।




सोहैल अब्रो ने अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों से दो वर्ष से लापता हिंदू लड़की 7 वर्षीया प्रिया कुमारी की सुरक्षित रिहाई के लिए हस्तक्षेप की मांग की है। 2 वर्ष पहले मोहर्रम जुलूस के दौरान प्रिया लापता हो गई और उसका अभी तक पता नहीं चला है। सोहैल ने ऐसे कृत्य के आरोपित लोगों का पक्ष लेने के लिए न्यायपालिका की आलोचना की और प्रिया कुमारी जैसी पीड़िता के लिए न्याय की मांग की। इंटरनेट मीडिया पर अपने संदेश में सोहैल ने कहा, सिंधी हिंदू लड़कियों का जबरन धर्मांतरण और मुस्लिम व्यक्तियों से शादी कराई जाती है और आरोपित स्वतंत्र घूम रहे हैं। यहां तक कि जब लड़की अपने परिवार में लौटने की इच्छा व्यक्त करती है तो अदालतें ऐसा करने से इन्कार कर देती हैं, क्योंकि अदालतें उन लोगों के पक्ष में खड़ी रहती हैं। विश्व सिंधी कांग्रेस ने हिंदुओं की दुर्दशा उजागर कीविश्व सिंधी कांग्रेस ने अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर संयुक्त राष्ट्र आयोग की ओर से 23 अप्रैल को आयोजित कान्फ्रेंस में पाकिस्तान में सिंधी हिंदुओं की दुर्दशा का मुद्दा उठाया। सिंधी कांग्रेस ने प्रिया जैसी लड़कियों के अपहरण समेत उनकी दुर्दशा का उल्लेख किया। पिछले दो वर्ष में सौ से ज्यादा सिंधी हिंदू लड़कियों का जबरन धर्मांतरण और निकाह कराया गया है।

# एलन मस्क भारत से दगा कर गुपचुप पहुंच गए चीन

**बीजिंग॰** दुनिया के मुख्य अमीरों में शुमार ञ्जद्गह्यद्यड्ड के ष्टश्वह्र एलन मस्क अपना भारत दौरा कैंसल कर अब अचानक गुपचुप चीन पहुंच गए हैं। उनके इस दौरे को सार्वजनिक नहीं किया गया है लेकिन मामले की जानकारी रखने वालों के हवाले से इस दौरे की बात कही गई। फ्लाइट ट्रैक करने वाले एक ऐप के मुताबिक उनके प्राइवेट जेट की लोकशन बीजिंग में पाई गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मस्क का चीन में सीनियर अधिकारियों से मिलने का कार्यक्रम है। चीन दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ऑटो मार्केट है और टेस्ला को वहां कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कंपनी ने हाल में चीन में अपनी गाड़ियों की कीमत में कटौती की है। टेस्ला चीन में फुल-सेल्फ ड्राइविंग सॉफ्टवेयर लॉन्च करना चाहता है। साथ ही कंपनी चीन में इकट्ठा किए गए डेटा को विदेश ट्रांसफर करना चाहती है ताकि ऑटोनॉमस ड्राइविंग टेक्नोलॉजी में इसका इस्तेमाल किया जा सके। बता दें कि मस्क को 21 और 22 अप्रैल को भारत दौरे पर आना था लेकिन उन्होंने इसे टाल दिया था लेकिन अब वह अचानक चीन पहुंच गए हैं। टेस्ला ने अब तक भारत में एंट्री नहीं की है लेकिन चीन में लोकल कंपनियों ने उसके नाक में दम कर रखा है। टेस्ला ने चार साल पर अपने सबसे एडवांस्ड ऑटोपायलट सॉफ्टवेयर स्नस्स्ष्ठ को लॉन्च किया था लेकिन अब तक यह चीन के ग्राहकों को उपलब्ध नहीं हो पाया है। इसकी वजह यह है कि चीन के सरकार ने टेस्ला को देश में एकत्र किए गए आंकड़ों को विदेश ट्रांसफर करने की अनुमति नहीं दी है। मस्क ने हाल में कहा था कि चीन में जल्दी ही ग्राहकों को स्नस्स्ष्ठ मिल जाएगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक सवाल के जवाब में मस्क ने कहा कि टेस्ला चीन में ग्राहकों के लिए बहुत जल्द एफएसडी उपलब्ध करा सकता है। चीन में भी स्थानीय कंपनियां इसी तरह का सॉफ्टवेयर लॉन्च करने फायदा उठाना चाहती हैं। मस्क की चीन यात्रा को लोगों की नजरों में छुपा कर रखा गया है। रॉयटर के अनुसार, टेस्ला ने 2021 से अपने चीनी सहयोगी द्वारा एकत्र किए गए सभी डेटा को चीनी नियामकों की आवश्यकता के अनुसार शंघाई में संग्रहि?त किया है और अमेरिका में वापस स्थानांतरित नहीं किया है। यूएस ईवी निर्माता ने चार साल पहले अपने ऑटोपायलट सॉफ्टवेयर का सबसे स्वायत्त संस्करण एफएसडी लॉन्च किया था, लेकिन ग्राहकों के आग्रह के बावजूद अभी तक इसे चीन में उपलब्ध नहीं कराया गया है।



# दूध पीते-पीते चौथी मंजिल की बालकनी से गिरी 8 महीने की बच्ची

**नेशनल डेस्क॰** रविवार को चेन्नई के अवाडी में एक अपार्टमेंट परिसर के निवासियों को टिन की छत के किनारे बैठे एक शिशु के भयानक दृश्य ने चौंका दिया। शिशु जो चौथी मंजिल से गिरकर दो मंजिल नीचे टीन की छत पर गिर गई थी। स्थानीय निवासियों की तत्परता से बच्ची को बचाया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। वीडियो में दिखाया गया है कि भयभीत निवासी मदद के लिए चिल्ला रहे थे इतने में पड़ोसियो के एक समूह उसे पकड़ने के लिए खिड़की के ठीक नीचे भूतल पर एक चादर खुली रखता है ताकि वह गिर न जाए। यह सुनिश्चित करने के लिए कि शिशु को चोट न लगे, बेडशीट के नीचे एक गद्दा रखा जाता है। बच्ची जब छत से लटकती है तो चीखने चिल्लाने की आवाजें आती है इतने में एक आदमी पहली मंजिल की खिड़की से बाहर निकलता है और शिशु तक पहुंचने के लिए रेलिंग पर खड़ा होता है। जैसे ही वह अपना हाथ बढ़ाता है, दो अन्य लोग उसे मजबूती से पकड़ लेते हैं। वह शिशु को पकड़ उसे अपार्टमेंट के अंदर एक आदमी के पास ले जाता है जिससे बच्ची की जान बच पाई। अवाडी के पुलिस आयुक्त शंकर ने बताया कि यह घटना अवाडी के एक आवासीय समुदाय वीजीएन स्टैफ़ोर्ड में हुई। बच्ची को उसकी मां राम्या बालकनी में दूध पिला रही थी, तभी वह गिर गई थी।

# हाईवे पर यात्रियों से भरी वैन कार, ट्रक से टकराई, 10 लोगों की मौत, 3 बच्चें भी शामिल

**नेशनल डेस्क॰** रविवार को छत्तीसगढ़ के बेमेतरा में एक ट्रक ने हाईवे पर खड़ी कार को टक्कर मार दी, जिसमें 10 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 5 महिला और 3 बच्चे शामिल हैं। 23 लोगों को चोटें भी आईं, जिनमें से चार गंभीर रूप से घायल हुए और उन्हें रायपुर एम्स रेफर किया गया। दुर्घटना उस समय हुई जब पीड़ित एक पारिवारिक समारोह से लौट रहे थे और यात्रियों को ले जा रहे ट्रक ने राजमार्ग पर खड़ी एक कार को टक्कर मार दी।

अधिकारी ने बताया कि पीड़ित, पथर्रा गांव के मूल निवासी, तिरैया गांव में एक पारिवारिक समारोह में भाग लेने के बाद लौट रहे थे। जिला अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और आगे की जांच की।

# मोदी ने कोविड-19 के दौरान टीके उपलब्ध कराकर हर किसी की जान बचाई, इसलिए उन्हें वोट दें: फडणवीस

**नेशनल डेस्क** ॰ महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने रविवार को लोगों से सभी मुद्दों को किनारे रखकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को वोट देने की अपील की और कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान टीके उपलब्ध कराकर उन्होंने हर किसी की जान बचाई। फडणवीस ने सोलापुर के माढ़ा और बार्शी कस्बों में अपने संबोधन के दौरान टीकों का हवाला देकर वोट मांगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता फडणवीस ने उस्मानाबाद संसदीय क्षेत्र के तहत आने वाले बार्शी में अपनी पहली रैली की। इस सीट पर राकांपा की अर्चना पाटिल का मुकाबला शिवसेना (यूबीटी) के निवर्तमान सांसद ओमराजे निंबालकर से है।

माढ़ा, माढ़ा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जहां भाजपा ने अपने मौजूदा सांसद रंजीत सिंह निंबालकर को शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा (एसपी) के धैर्यशील मोहिते पाटिल के खिलाफ फिर से मैदान में उतारा है। फडणवीस ने कहा, ''अन्य मुद्दों को किनारे रख दें और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को वोट दें क्योंकि उन्होंने महामारी के दौरान हमें जीवित रखा। उन्होंने पहल की और उनके नेतृत्व में, भारत ने न केवल अपना टीका बनाया, बल्कि अन्य देशों को भी इसकी आपूर्ति की। वह भारत के वैक्सीन मैत्री कार्यक्रम का जिक्र कर रहे थे जिसके तहत कई देशों को कोविड-रोधी टीकों की आपूर्ति की गई थी। उन्होंने कहा कि मोदी के सत्ता में आने से पहले देश मजबूत स्थिति में नहीं था। उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''पहले पाकिस्तान से लोग आसानी से यहां आकर आतंकी हमले कर सकते थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री अमेरिका जाकर पाकिस्तान की शिकायत करते थे, लेकिन कुछ नहीं होता था। मोदी के सत्ता में आने के बाद हमने 'सर्जिकल स्ट्राइक करके जवाबी कार्रवाई की और एक मजबूत संदेश देने के लिए हवाई हमले किए। फडणवीस ने कहा कि आज भारत समृद्ध हो रहा है जबकि पाकिस्तान दिवालियापन की ओर बढ़ रहा है। भाजपा के पूर्व जिला महासचिव और पूर्व उपमुख्यमंत्री विजय सिंह मोहिते पाटिल के भतीजे धैर्यशील के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा, ''जब शरद पवार ने उनका (विजय सिंह का) राजनीतिक करियर लगभग समाप्त कर दिया था, तब हम (भाजपा) उनके पीछे खड़े थे। अब आगे की रणनीति तय करना मोहिते पाटिल पर निर्भर है। मुझे नहीं लगता कि मोहिते पाटिल के परिवार के सभी सदस्य धैर्यशील के फैसले से सहमत होंगे। विजय सिंह के बेटे रंजीत सिंह मोहिते पाटिल महाराष्ट्र विधान परिषद के भाजपा सदस्य हैं। आम चुनाव के तीसरे चरण में सात मई को माढ़ा और उस्मानाबाद लोकसभा सीट के लिए चुनाव होगा। महाराष्ट्र में लोकसभा की 48 सीट हैं।



# यूक्रेन के मिकोलाइव शहर में रूसी ड्रोन हमले से होटल में लगी आग

**कीव:** रूसी ड्रोन हमले में रविवार तड़के मिकोलाइव शहर पर हमला किया गया जिससे एक होटल में आग लग गई और ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा। प्रांतीय गवर्नर ने यह जानकारी दी। यह हमला ऐसे समय किया गया जब दो साल से अधिक समय से चल रहे युद्ध में यूक्रेनी सैनिकों को गोला-बारुद की कमी से जूझना पड़ रहा है। यूक्रेन के दक्षिणी मिकोलाइव प्रांत के गवर्नर विताली किम ने कहा कि रूसी ड्रोन ने प्रांतीय राजधानी (मिकोलाइव) में एक होटल को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया। हमले से होटल में आग लग गई जिसे हालांकि बाद में बुझा दिया गया। किम ने यह भी बताया कि हमले से शहर के घरों और कार्यालयों को गर्म रखने वाले बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है, लेकिन उन्होंने कोई विवरण नहीं दिया। रूसी सरकारी एजेंसी आरआईए ने दावा किया कि मिकोलाइव पर हमले में एक 'शिपयार्ड को निशाना बनाया गया जहां नौसैनिक ड्रोन एकत्र किए जाते हैं, इसके साथ ही एक होटल को भी निशाना बनाया गया जिसमें अंग्रेजी बोलने वाले भाड़े के सैनिक रहते हैं जो यूक्रेन के लिए लड़ते हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569